संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 219
पृष्ठ 8
बुधवार
29 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हील्स पहनने पर पैरों में होता...

विचार- ट्रंप ने कहा भारत को नरक मगर...

खेल- सपनों से ईमानदार रहो, दुनिया खुद...

पीएम मोदी ने भोजपुरी में महिलाओं को किया प्रणाम, बोले-

नारी शक्ति के वंदन और विकास का उत्सव है

वाराणसी,संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी वंदन सम्मेलन में "हर-हर महादेव" के उद्घोष के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने मंचासीन भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों तथा काशी की महिला पार्षदों और ग्राम प्रधानों का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने काशी की आध्यात्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नगरी माता श्रृंगार गौरी, माता अन्नपूर्णा, माता विशालाक्षी, माता संकट मोचन की शक्ति और मां गंगा की पावन धारा से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र भूमि पर बहनों का यह विशाल समागम कार्यक्रम को और अधिक दिव्य बना रहा है। प्रधानमंत्री ने काशी की महिलाओं को नमन करते हुए कहा कि आज का यह अवसर नारी शक्ति के वंदन और विकास का उत्सव है। उन्होंने बताया कि इस दौरान हजारों करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है, जो क्षेत्र के विकास को नई गति देंगे।

युवाओं को खेल के क्षेत्र में प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से यूपी कॉलेज में हॉकी टर्फ का लोकार्पण किया गया है। यह सुविधा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की तैयारी में मदद करेगी। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के तहत मंडलीय अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में विकसित किया गया है, जिससे मरीजों को उन्नत चिकित्सा सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगी। वहीं, राजघाट पर बन रहा रेलवे का सिग्नेचर ब्रिज व्यापार और आम जनता की आवाजाही को और आसान बनाएगा। नगर निगम ने शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में भी कदम उठाए हैं, जिससे स्वच्छता और सौंदर्यीकरण दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इन सभी योजनाओं से काशी का भविष्य और अधिक उज्ज्वल होने की उम्मीद जताई जा रही है, साथ ही यह शहर विकास और सांस्कृतिक विरासत के संतुलन का उदाहरण बनकर उभर रहा है।

काशी में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने और शहर को आधुनिक स्वरूप देने के लिए कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं को गति दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई इन परियोजनाओं से शहर के यातायात, शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं में व्यापक सुधार देखने को मिल रहा है। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए पांडेयपुर लेन का चौड़ीकरण किया गया है, जिससे शहर के प्रमुख मार्गों पर जाम की समस्या में राहत मिलेगी। इसके साथ ही नगर क्षेत्र के 23 विद्यालयों को स्मार्ट बनाया गया है, जहां आधुनिक तकनीक और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी दौरे के दौरान 6332 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री योगी बोले-

प्रधानमंत्री को बताया नए भारत का निर्माता

वाराणसी, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारी वंदन सम्मेलन में "हर-हर महादेव" के उद्घोष के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में आई महिलाओं का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए उन्हें "नए भारत का निर्माता" बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन और नेतृत्व का ही परिणाम है कि आज देश एक नए युग की ओर बढ़ रहा है और हम सभी नए भारत का साक्षात दर्शन कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने मंच पर मौजूद वरिष्ठ नेताओं के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि यह सम्मेलन महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की आधी आबादी की ओर से वह प्रधानमंत्री का स्वागत करते हैं और उनके नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि नया भारत केवल भौतिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समग्र विकास की अवधारणा को भी आत्मसात कर रहा है। समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना अब साकार होती दिखाई दे रही है और देश तेज गति से उस दिशा में अग्रसर है। सम्मेलन में उपस्थित महिलाओं ने भी इस दौरान उत्साह के साथ भागीदारी की।

महिला शक्ति सम्मेलन में पूनम मौर्या ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम की शुरुआत "भारत माता की जय" के उद्घोष के साथ की। अपने संबोधन में उन्होंने मंच पर उपस्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं का स्वागत किया और आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबिन, उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति को उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।

भारत की आधी आबादी को सम्मान दे रही भाजपा- नीतिन नबिन

वाराणसी, संवाददाता। नीतिन नबिन ने कहा कि आज महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए अवसर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं के जीवन में जो सकारात्मक बदलाव आया है, वह अभूतपूर्व है। अपने भावुक संबोधन में उन्होंने कहा कि वह उस मां को नमन करते हैं, जिन्होंने नरेंद्र मोदी जैसे पुत्र को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए किए गए कार्य सराहना और गर्व के पात्र हैं। सम्मेलन में उपस्थित महिलाओं ने भी इस दौरान जोरदार उत्साह दिखाया। आज महिलाएं एआई से लेकर ओलंपियाड और खेल का नेतृत्व कर रही हैं। बेटी बढ़ाओ बेटी बचाओ जैसी योजनाओं से महिलाएं और बेटियां सशक्त हो रही हैं। ट्रिपल तलाक पर लिए गए फैसले से मुस्लिम महिलाओं को सम्मान मिला है। मैंने काशी की विरासत को देखा है। आपके नेतृत्व में काशी जैसा शहर जीवंत हो उठा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबिन ने नारी वंदन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की आधी आबादी को वह सम्मान दिया है, जो पूर्ववर्ती सरकारें नहीं दे सकीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर सरकार ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। अपने संबोधन में नीतिन नबिन ने काशी की विशेषता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक शहर या भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना है। जिस प्रकार मां गंगा भारतीय संस्कृति को सिंचित करती हैं, उसी प्रकार देश की महिलाएं परिवार और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री की विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं को घर का मालिकाना हक दिया गया, जिससे उनका सामाजिक सम्मान बढ़ा है। इसके अलावा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं ने बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाई है।

चिराग पासवान का बड़ा दावा, बोले-

पश्चिम बंगाल में ममता के तानाशाही शासन का होगा अंत

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की "बड़ी जीत" का दावा करते हुए मंगलवार को कहा कि राज्य की जनता तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी के "हिंसक, भ्रष्ट और तानाशाही" शासन से ऊब चुकी है। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष पासवान ने पटना में संवाददाताओं से कहा, "पश्चिम बंगाल की जनता ममता बनर्जी के तानाशाही, हिंसक और भ्रष्ट शासन से मुक्ति पाने के लिए मतदान करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के व्यापक चुनाव प्रचार ने लोगों में विश्वास पैदा किया है।" उनका यह बयान पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के मतदान से एक दिन पहले आया है। उन्होंने दावा किया, "मुझे पूरा विश्वास है कि चार मई को जिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आने वाले हैं, उन सभी में राजग बड़ी जीत की ओर बढ़ रहा है। आप मेरी बात नोट कर लीजिए। मैं कोई अनुमान नहीं लगा रहा हूं।" पासवान ने यह टिप्पणी असम, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, केरल और तमिलनाडु के चुनावों के संदर्भ में की। हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पासवान से दिल्ली की एक हालिया घटना के बारे में भी पूछा गया, जिसमें बिहार निवासी एक व्यक्ति की कथित तौर पर एक पुलिस कांस्टेबल द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव समेत विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि दिल्ली जैसे भाजपा शासित क्षेत्रों में बिहार के लोगों के खिलाफ "घृणा आधारित अपराध" हो रहे हैं।

मंत्रिमंत्री धामी का विपक्ष पर सीधा हमला, बोले-

महिला आरक्षण विधेयक पर भ्रम फैलाना बंद करें

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को महिला सशक्तिकरण के लिए एक एकजुट राजनीतिक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए प्रस्तावित 33प्रतिशत आरक्षण पर चर्चा करते समय अपने आपसी मतभेदों से ऊपर उठने का आग्रह किया। उत्तराखंड विधानसभा के नारी सम्मान – लोकतंत्र में अधिकार शीर्षक वाले एक विशेष सत्र को संबोधित करते हुए, धामी ने केंद्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण विधेयक को जल्द से जल्द लागू करने के प्रयासों का समर्थन किया और इस कानून के समर्थन में एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि यह बिल एक बदलाव लाने वाला कदम है, जिसका मकसद न सिर्फ महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना है, बल्कि नीति-निर्माण में उनकी भूमिका सुनिश्चित करना भी है। धामी ने विपक्षी पार्टियों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने कथित तौर पर संसद में इस कानून को रोकने की कोशिश की और उन पर इस मुद्दे पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि परिसीमन जैसे प्रावधानों से किसी भी राज्य को कोई नुकसान नहीं होगा और केंद्र सरकार ने संसद में इस बात को साफ कर दिया है। मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भों का भी जिक्र किया, जिसमें रानी लक्ष्मीबाई और सावित्रीबाई फुले जैसी महान हस्तियों से लेकर रक्षा और अंतरिक्ष जैसे आधुनिक क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया गयाय उन्होंने कहा कि अब महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं।

केंद्र सरकार की पहलों पर बात करते हुए धामी ने कहा कि पिछले एक दशक में जेंडर बजटिंग (महिलाओं के लिए बजट आवंटन) में काफी बढ़ोतरी हुई हैय 2026-27 के बजट में महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का आवंटन किया गया है। उन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसी योजनाओं के साथ-साथ श्ट्रिपल तलाकश पर प्रतिबंध जैसे उपायों का भी जिक्र किया, और इन्हें महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में उठाए गए कदम बताया।

आतिशी का भाजपा पर दोतरफा हमला, महिला भत्ते और आप सांसदों के दल-बदल पर घेरा

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह देने के चुनावी वादे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर मंगलवार को सवाल उठाए और आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल होने को "असंवैधानिक" करार दिया। आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले साल हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने जनवरी में वादा किया था कि राष्ट्रीय राजधानी की महिलाओं को उसी साल आठ मार्च से हर महीने 2,500 रुपये उनके बैंक खातों में मिलने लगेंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं से अपने बैंक खातों को मोबाइल नंबर से लिंक करने के लिए कहा गया था और यह आश्वासन दिया गया था कि राशि जमा होने की पुष्टि का संदेश उन्हें मिलेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "आठ मार्च 2025 गुजर चुका है और अब आठ मार्च 2026 भी बीत गया लेकिन दिल्ली की महिलाओं के खातों में 2,500 रुपये नहीं आए हैं।" आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने इस वादे के आधार पर महिलाओं के वोट हासिल किए और कहा कि शहर की महिलाएं अब भी इस वित्तीय सहायता के मिलने का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महिलाओं को सार्वजनिक सेवाओं का लाभ लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं पहले डीटीसी बसों में आसानी से सफर करती थीं, अब उन्हें 'पिंक कार्ड' के लिए कतार में खड़ा होना पड़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी-

धार्मिक संस्थानों में नियम जरूरी, अराजकता के लिए जगह नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सबरीमाला मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान बेहद अहम टिप्पणी की है। नौ जजों की संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि किसी भी धार्मिक संस्थान के प्रबंधन के अधिकार का अर्थ अराजकता नहीं हो सकता। कोर्ट ने कहा कि हर संस्थान के कामकाज के लिए एक निश्चित व्यवस्था और मापदंड होने चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार और प्रबंधन के बीच एक संतुलन जरूरी है। पीठ में जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह सहित अन्य वरिष्ठ न्यायाधीश शामिल हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा, प्रबंधन के अधिकार का यह मतलब कतई नहीं है कि वहां कोई ढांचा ही न हो। हर चीज के लिए एक प्रक्रिया और नियम होने चाहिए। जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा, श्चाहे दरगाह हो या मंदिर, वहां संस्थान से जुड़े कुछ तत्व होते हैं। पूजा का तरीका और कार्यों का एक क्रम होता है। किसी को तो इसे विनियमित करना ही होगा। ऐसा नहीं हो सकता कि हर कोई अपनी मनमर्जी करे। न ही यह संभव है कि बिना किसी नियंत्रण के द्वार हर समय खुले रहें। सवाल यह है कि प्रबंधन करने वाली संस्था कौन सी है? अदालत ने यह भी साफ किया कि धार्मिक नियम संविधान के दायरे से बाहर नहीं हो सकते। जस्टिस अमानुल्लाह ने आगे कहा, शनियम जरूरी हैं, लेकिन वे संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन नहीं कर सकते। व्यापक संविधानिक मापदंडों पर किसी भी तरह का भेदभाव स्वीकार्य नहीं है। हर संस्थान के अपने मानक होने चाहिए और यह हर व्यक्ति द्वारा व्यक्तिगत रूप से निर्धारित नहीं किया जा सकता।

सुनवाई के दौरान हजरत ख्वाजा निजामुद्दीन औलिया की दरगाह से जुड़े वंशज पीरजादा सैयद अल्तमश निजामी की ओर से अधिवक्ता निजाम पाशा पेश हुए। उन्होंने तर्क दिया कि दरगाह एक ऐसी जगह है जहां संत को दफनाया जाता है। उन्होंने कहा, श्इस्लाम के भीतर संतों की स्थिति को लेकर अलग-अलग विचार हो सकते हैं। लेकिन सूफी विचारधारा में उस स्थान के प्रति गहरी श्रद्धा होती है। भारत में सूफी मत के कई बड़े सिलसिले हैं, जिनमें चिश्तिया, कादरिया, नक्शबंदिया और सुहरावर्दी शामिल हैं।श पाशा ने दलील दी कि यह व्यवस्था एक धार्मिक संप्रदाय का हिस्सा है और हजरत निजामुद्दीन औलिया की शिक्षाएं रोजा, नमाज, हज और जकात जैसे इस्लामी सिद्धांतों पर आधारित हैं। सुप्रीम कोर्ट इससे पहले यह मान चुका है कि किसी धार्मिक प्रथा के अनिवार्य या गैर-अनिवार्य होने का पैमाना तय करना न्यायपालिका के लिए चुनौतीपूर्ण है।

गलत पेपर बांटने से रद्द हुई थी परीक्षा, अब प्रधानाचार्य भरेंगे हर्जाना

प्रयागराज। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध जेबी महाजन डिग्री कॉलेज चौरीचौरा में परीक्षा के दौरान हुई लापरवाही पर कार्रवाई तेज हो गई है। गलत प्रश्नपत्र बांटने से वाणिज्य संकाय के दो पेपर आउट होने के मामले में उच्च शिक्षा निदेशालय ने तत्कालीन प्राचार्य प्रो. मधुप कुमार से 4,29,832 रुपये की वसूली के आदेश दिए हैं। 16 दिसंबर 2025 को आयोजित परीक्षा में अर्थशास्त्र के प्रश्नपत्र कोड–301 की जगह 302 और बीकॉम–302 की जगह 303 का पेपर खोलकर छात्रों में बांट दिया गया। करीब 15 मिनट बाद गलती का एहसास होने पर प्रश्न पत्र वापस लिए गए लेकिन दोनों पेपर को आउट मान लिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की। जांच में कॉलेज का सीसीटीवी बंद मिला और घटना की सूचना विश्वविद्यालय को समय पर नहीं दी गई। रिपोर्ट के आधार पर दोनों परीक्षाएं निरस्त कर 28 दिसंबर 2025 को दोबारा कराई गईं। जांच समिति ने तत्कालीन केंद्राध्यक्ष को दोषी मानते हुए खर्च की वसूली की संस्तुति की थी। परीक्षा विभाग के अनुसार प्रश्नपत्रों की पुनर्मुद्रण पर 4,29,832 रुपये खर्च हुए। निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. बीएल शर्मा ने प्रबंध समिति को वसूली सुनिश्चित करने का आदेश भेज दिया है।

प्रश्नपत्रों के पुनर्मुद्रण पर आए पूरे खर्च के वसूली की संस्तुति की गई है। इस संबंध में कई बार उच्च शिक्षा निदेशालय को अवगत कराया गया है। –ईश्वर चंद्र जायसवाल, प्रबंधक

कुलपति के निर्देशानुसार संबंधित तत्कालीन केंद्राध्यक्ष से राशि वसूलने का आदेश जारी किया गया है। वसूली की कार्रवाई प्रबंध समिति करेगी। इसके लिए प्रबंध समिति को पत्र भेजा जा रहा है। डॉ. बीएल शर्मा, निदेशक, उच्च शिक्षा

सलोरी में सफाई को तरस रहे नाले, लोगों को सता रहा जलभराव का डर

प्रयागराज। छोटा बघाड़ा के सलोरी स्थित नाला गंदगी से बजबजा रहा है। नाले में करीब डेढ़ मीटर से अधिक मोटी सिल्ट जमा हो गई है। ऐसे में स्थानीय लोगों को मानसून में जल भराव होने का डर सता रहा है। सलोरी के ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के पास स्थित नाले के आसपास कई आवासीय भवन, कार्यालय व गेस्ट हाउस स्थित हैं। बरसात में गंदगी जमा होने से नाले का पानी सड़क पर बहने लगता है। इससे जल भराव की स्थित पैदा हो जाती है। साथ ही नाले का पानी लोगों के घरों में पहुंच जाता है। लोगों को उम्मीद थी कि इस बार नगर निगम समय रहते नालों की सफाई का काम शुरू कर देगा। लेकिन अब तक सफाई के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है। नगर निगम की तरफ से नाले व नालियों की सफाई का काम 20 अप्रैल से शुरू होना था। लेकिन, अब जाकर आधी–अधूरी टेंडर प्रक्रिया को पूरा किया गया है। बता दें कि पहली बार नगर निगम ने जैम पोर्टल के आधार पर टेंडर प्रक्रिया को पूरा किया है। इस बार सभी जोन में नाले व नालियों की सफाई का काम 10 लाख रुपये से अधिक लागत में किया जाएगा। नगर निगम के 100 वार्डों में करीब 700 छोटे व बड़े नाले हैं। टेंडर प्रक्रिया पर एक बार फिर से नगर निगम के अधिकारियों व पार्षदों में रस्साकशी शुरू हो गई है। नगर निगम ने जोन के आधार पर नालों की सफाई का काम बांटा है, तो वहीं कई पार्षद अभी भी इस प्रक्रिया को मानने से इंकार कर रहे हैं। ऐसे में चार पार्षदों ने अपने वार्ड में कर्मचारी लगाकर नालों की सफाई कराने की बात कही है। जिसे नगर निगम ने स्वीकार कर लिया है। लेकिन जोन के आधार पर नाले व नालियों की सफाई को लेकर कई पार्षदों में नाराजगी बनी हुई है।

नाले व नालियों की सफाई के लिए टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है। इस बार जोन के आधार पर वार्डों में सफाई कराई जाएगी। अगले 10 दिनों में नालों की साफ सफाई का काम शुरू हो जाएगा। दीपेंद्र कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त।

गंगा एक्सप्रेसवे का अंतिम टोल प्लाजा प्रयागराज के जुडापुर दांदू में

प्रयागराज। मेरठ से प्रयागराज के बीच की दूरी 29 अप्रैल को गंगा एक्सप्रेसवे के शुभारंभ के साथ कम हो जाएगी। 120 किलोमीटर की रफ्तार से वाहन दिल्ली से प्रयागराज का सफर मात्र सात घंटे में पूरा कर सकेंगे। 594 किमी लंबे एक्सप्रेसवे पर कुल दो टोल हैं, जिसमें एक मेरठ (बिजौली) और दूसरा प्रयागराज (जुडापुर दांदू) में है। ये इस एक्सप्रेसवे के शुरुआती और अंतिम बिंदु हैं। इन दो मुख्य टोल प्लाजा के अलावा एक्सप्रेसवे पर 19 इंट्री और एग्जिट पॉइंट (रैम्प टोल प्लाजा) हैं, जहां से एक्सप्रेसवे पर चढ़ या उतर सकते हैं। मेरठ से प्रयागराज तक का यह छह–लेन (आठ तक विस्तार योग्य) ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे 36,230 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बना है।

इस महत्वपूर्ण परियोजना के तहत चौथे चरण में उन्नाव के आंशिक भाग से रायबरेली, प्रतापगढ़ होते हुए प्रयागराज के सोरांव जुडापुर डांडू तक कुल 156.847 किमी लंबा एक्सप्रेसवे शामिल है। इसकी कुल लागत 5626 करोड़ रुपये है। गंगा एक्सप्रेसवे प्रयागराज सोरावं तहसील के 20 गावों को जोड़ेगा। गंगा एक्सप्रेसवे पर यात्रियों की सुविधा के काम अभी अधूरे हैं। इनमें पेट्रोल पंप, रेस्टोरेंट, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन केंद्र, विश्राम स्थल, पुलिस चौकी और ई–व्हीकल चार्जिंग स्टेशन जैसी कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम एक्सप्रेसवे के शुभारंभ के बाद पूरा किया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे के तहत सड़क निर्माण का काम पूरा हो चुका है। कुछ अन्य कार्य शेष हैं, जिन्हें दो से तीन महीने में पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा एक्सप्रेसवे पर सिर्फ दो टोल प्लाजा हैं। इनमें एक मेरठ व दूसरा प्रयागराज में है। – विजय कुमार, अधिशासी अभियंता, यूपीडा

ई–अधियाचन पोर्टल नहीं हो सका लाइव, भर्ती प्रक्रिया अटकी

प्रयागराज। प्रदेश के सहायता प्राप्त (एडेड) के 4,512 व माध्यमिक विद्यालयों के 23,213 पदों के लिए अधियाचन लेने के लिए तैयार किया गया ई–अधियाचन पोर्टल अभी तक शासन स्तर से लाइव नहीं हो सका है। इससे भर्ती प्रक्रिया अटकी हुई है। शिक्षा निदेशालय के अनुसार भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए कुल 23,213 पदों का अधियाचन अपलोड किया जाना है। इनमें इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य के 1502, हाईस्कूल स्तर पर प्रधानाध्यापक / प्रधानाचार्य के 1003, प्रवक्ता के 2705, सहायक अध्यापक के 16114 व संबद्ध प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक के 1889 पद शामिल हैं। पोर्टल लाइव होते ही उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अधियाचन प्रक्रिया का परीक्षण कर निदेशालय को रिक्त पदों का विवरण अपलोड करने की संस्तुति देगा। इसके बाद निदेशालय विभिन्न पदों के लिए अधियाचन पोर्टल पर अपलोड करेगा। अधियाचन अपलोड होने के बाद आयोग तकनीकी परीक्षण कर भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए विज्ञापन जारी करने की तैयारी करेगा। उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार का कहना है कि आयोग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। पोर्टल लाइव होते ही आयोग परीक्षण कर भर्ती का विज्ञापन जारी करेगा।

बनना था दूल्हा, पहुंच गया हवालात, घर में घुसी बकरी को डंडा मारने पर पांच भांजों ने मामा को मार डाला

प्रयागराज। प्रयागराज में घर में घुसी बकरी को डंडा मारने पर पांच भांजों ने पीट–पीटकर मामा को मार डाला। पुलिस ने एक आरोपी भांजे गुड्डू को हिरासत में लिया है। आरोपी की सोमवार को शादी होनी थी।

प्रयागराज के घूरपुर इलाके के बोंगी गांव में सोमवार सुबह घर में घुसी बकरी को डंडा मारने पर हुए विवाद में पांच सगे भाइयों ने लाठी–डंडे से पीट–पीटकर अपने मामा निशार अहमद (65) की हत्या कर दी।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आरोपी गुड्डू, अब्दुल, सलमान, राशिद और पप्पू के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। साथ ही गुड्डू को हिरासत में ले लिया। सोमवार को ही उसकी शादी होनी थी।

बोंगी गांव निवासी निशार अहमद के घर में सोमवार सुबह उनके भांजे गुड्डू की बकरी घुस गई। इस पर नाराज निशार ने बकरी को डंडा मार दिया। आरोप है कि इसी बात पर मामा–भांजे के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद गुड्डू के चार अन्य भाई भी मौके पर पहुंच गए।

सभी ने मिलकर लाठी–डंडों से निशार पर हमला कर दिया। हमले में निशार के सिर पर गंभीर चोट आ गई और वे वहीं गिर पड़े। परिजन उन्हें आननफानन अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घूरपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह ने बताया कि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

परिजनों का रो–रोकर हाल बेहाल

निशार अहमद मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते थे। उनके चार बेटे और दो बेटियां हैं। सभी की शादी हो चुकी है और उनके बच्चे भी हैं। निशार पत्नी के साथ झोपड़ी में रहते थे। किसे पता था कि मामूली सा विवाद उनकी जान ले लेगा। निशार अहमद की मौत से परिजनों का रो–रोकर हाल बेहाल है।

बनना था दूल्हा, पहुंच गया हवालात

घटना के बाद पुलिस ने आरोपी भांजे गुड्डू को पकड़ लिया जिसकी सोमवार को शादी थी। बरात बोंगी गांव में ही जानी थी। घर में सभी तैयारियां हो चुकी थीं। दरवाजे पर टेंट शामियाना लगा था। इसी बीच मामूली विवाद में इतनी बड़ी घटना हो गई और जिस गुड्डू के सिर पर सेहरा बंधना था, वह सगे मामा की हत्या के आरोप में हवालात पहुंच गया। घर में शहनाई गूंजने के बजाय मातम छा गया।

बकरी को डंडा मारने पर विवाद हुआ था। मारपीट के दौरान निशार अहमद की मौत हो गई। मामले में एक आरोपी को पकड़ लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं। जल्द ही अन्य को भी पकड़ लिया जाएगा। – अब्दुस सलाम खान, एसीपी कौंधियारा

पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण की संपत्तियों की बिक्री, वित्तीय लेनदेन पर रोक, कोर्ट के आदेश का पालन

प्रयागराज। महंत अग्रदास ने संस्था के सचिव के रूप में हाईकोर्ट के आदेश दिनांक 20 अगस्त 2025 के अनुपालन में संस्था के कार्यों और संपत्तियों की जांच कराए जाने की मांग की थी। महंत अग्रदास व अन्य ने आरोप लगाया था कि अखाड़ा की देशभर में स्थित संपत्तियों का अवैध विक्रय और अतिक्रमण किया जा रहा है।

पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण से जुड़ी देशभर की सभी संपत्तियों की बिक्री और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी गई है। साथ ही पुराने जांच अधिकारी को हटाकर नए जांच अधिकारी की नियुक्ति हुई है। यह कार्रवाई प्रयागराज के कार्यालय रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटीज एंड चिट्स के सहायक रजिस्ट्रार मनोज कुमार ने हाईकोर्ट के निर्देश के अनुपालन में की है।

महंत अग्रदास ने संस्था के सचिव के रूप में हाईकोर्ट के आदेश दिनांक 20 अगस्त 2025 के अनुपालन में संस्था के कार्यों और संपत्तियों की जांच कराए जाने की मांग की थी। महंत अग्रदास व अन्य ने आरोप लगाया था कि अखाड़ा की

देशभर में स्थित संपत्तियों का अवैध विक्रय और अतिक्रमण किया जा रहा है। उन्होंने सभी संपत्तियों की सुरक्षा, बैंक खातों से अनावश्यक निकासी पर रोक और संपत्तियों को प्रतिबंधित श्रेणी में डालने की मांग की थी।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में सोसाइटी को निर्देश दिया था कि संस्था के मामलों की जांच तीन माह के भीतर पूरी की जाए। सोसाइटी ने नौ सितंबर 2024 के आदेश के तहत विवेक तिवारी एंड कंपनी को जांच अधिकारी नियुक्त किया था। तीन माह में जांच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी। तय समय में जांच आख्या प्रस्तुत नहीं की गई।

जांच में देरी का कारण अभिलेखों की अनुपलब्धता और विभिन्न भाषाओं (तेलुगु आदि) में दस्तावेज होने की बात कही गई और समय मांगा गया। अनुपालन में सोसाइटी के रजिस्ट्रार कार्यालय की ओर से कई बार पत्र जारी किए गए लेकिन जांच रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई।

सहायक रजिस्ट्रार ने अपने आदेश में कहा कि विवेक तिवारी एंड कंपनी को जांच कार्य से हटा दिया गया है। नए जांच अधिकारी के रूप में वाराणसी के संदीप कुमार सिंह मेसर्स, वाराणसी के वीडी दूबे एंड एसोसिएट को नियुक्त किया जाता है। जांच पूरी होने तक संस्था की किसी भी चल–अचल संपत्ति की बिक्री या लीज पर रोक रहेगी।

बैंक खातों से केवल वेतन, बिजली, पानी जैसे आवश्यक खर्चों को छोड़कर सभी भुगतान पर रोक रहेगी। आदेश की प्रति सभी संबंधित पक्षों, पदाधिकारियों और बैंकों को भेजकर जांच में सहयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएमपी में 'त्रिवेणी संगम': मूट कोर्ट, 'सक्सेस मंत्र' कार्यशाला और न्यायिक टॉपर्स का भव्य सम्मान

न्यायिक सेवा टॉपर्स रहीं पूर्व छात्राओं को किया सम्मानित, 'केशवानंद भारती केस' पर छात्रों ने रखे दमदार तर्क, विशेषज्ञों ने दिए सफलता के मंत्र

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद (सी.एम.पी.) डिग्री कॉलेज के विधि संकाय में मंगलवार को कार्यक्रमों की एक शानदार श्त्रिवेणीश का आयोजन हुआ। जी.एन. वर्मा इंटरनेशनल मूट कोर्ट हॉल में श्सक्सेस मंत्रश पर राष्ट्रीय कार्यशाला, इंट्रा–फैकल्टी मूट कोर्ट प्रतियोगिता और श्प्रतिभा सम्मान समारोहश संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे, विधि संकाय संयोजक प्रो. शिव शंकर सिंह और अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया।

'न्यायिक सेवा की टॉपर्स का सम्मान'

समारोह में राजस्थान और छत्तीसगढ़ पीसीएस जे में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कॉलेज की छात्रा मधुलिका यादव और अंजुम आरा को सम्मानित किया गया। दोनों मेधावियों ने छात्रों को निरंतर अभ्यास और बिना शॉर्टकट के कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा दी। प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने इस सफलता पर गर्व जताते हुए मूट कोर्ट सोसाइटी को और आधुनिक बनाने का आश्वासन दिया।

'मूट कोर्ट में गूंजा संविधान का मूल ढांचा'

केशवानंद भारती केस पर आधारित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में छात्रों ने शानदार कानूनी दलीलें पेश कीं। मूट कोर्ट के जज के रूप में पधारे इलाहाबाद विश्वविद्यालय के केंद्रीय जन सूचना अधिकारी डॉ हरिबंश सिंह ने कहा कि सफल अधिवक्ता बनने के लिए कानून को रटने के बजाय श्संविधान के मूल ढांचेश और उसकी आत्मा को समझना सबसे ज्यादा जरूरी है।

'दिग्गजों ने दिए जीवन के सक्सेस मंत्र'

कार्यशाला में उपस्थित अतिथियों ने भावी वकीलों का मार्गदर्शन किया। मुख्य वक्ता एवं उत्तर प्रदेश सरकार के अपर महाधिवक्ता श्री अशोक मेहता जी ने जीवन में पारिवारिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को समझाया कि बदलते समय के साथ तकनीक का सही और सकारात्मक सदुपयोग करके ही हम अपना वास्तविक विकास कर सकते हैं। मुख्य अतिथि परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश से पधारे पूज्य स्वामी माधव जी ने अपने आध्यात्मिक और ओजस्वी विचारों से छात्रों को एक अचूक मंत्र दियारू श्अविश्वसनीय चीजें भी आसानी से की जा सकती हैं, यदि हम उन्हें करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हों।ष प्रकृतिवेदा के एमडी डॉ पुष्पेंद्र प्रताप सिंह ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दिलाते हुए,जोर देकर कहा कि हर व्यक्ति को अपनी व्यस्त दिनचर्या में से प्रतिदिन अपने लिए 15 मिनट अवश्य निकालने चाहिए। सीएमपी के डीएसडब्ल्यू प्रो. रजत श्रीवास्तव, मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भी संक्षेप में छात्रों को सकारात्मक विचारों, आत्मविश्वास और निरंतर अध्ययन के माध्यम से सफल जीवन के निर्माण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अतिथियों का औपचारिक स्वागत विधि विभाग के संयोजक प्रो. शिव शंकर सिंह ने किया। इस पूरे आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने वाले आयोजक डॉ. आर.डी. किशोर ने अंत में सभी अतिथियों व प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए,मूट कोर्ट विजेता सुकृति जयसवाल एवं टीम को घोषित किया।

बकाये वेतन के लिए शिक्षकों ने शुआट्स के मेन गेट का किया तालाबंद, प्रदर्शन

प्रयागराज। बकाये वेतन को लेकर शुआट्स सोसाइटी से जुड़े टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टॉफ ने मेन गेट का तालाबंद कर प्रदर्शन दिया। सूचना पर नैनी पुलिस पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। दोपहर बाद विवि के गेस्ट हाउस के हॉल में रजिस्ट्रार और शिक्षकों के बीच वार्ता हुई लेकिन वह भी बेनतीजा रही। आरोप है कि रजिस्ट्रार और अन्य अधिकारी विरोध को देखते हुए बैठक से भाग गए। शुआट्स सोसाइटी से जुड़े शिक्षकों को 20 से 25 महीने का वेतन नहीं मिला है। 10 दिन पहले शिक्षकों ने रजिस्ट्रार कार्यालय में धरना दिया था। इसके बाद वहां पहुंचे सिटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शिक्षकों को एक सप्ताह के भीतर भुगतान का आश्वासन दिया गया था लेकिन समय सीमा बीतने के बाद भी ऐसा नहीं किया गया। सोमवार को सोसाइटी से जुड़े शिक्षक व कर्मचारी विवि के मेन गेट पहुंचे और उसे बंद करते हुए प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान विवि से जुड़ा कोई भी जिम्मेदार अधिकारी उनसे मिलने नहीं पहुंचा। इससे नाराज शिक्षकों ने रजिस्ट्रार व कुलपति कार्यालय पहुंचे लेकिन वहां भी कोई अधिकारी नहीं था।

इनवर्टर एसी की मांग बढ़ने से गरमाया इलेक्ट्रॉनिक बाजार

प्रयागराज। चढ़ते पारे के बीच एयर कंडीशनर (एसी) व अन्य कूलिंग प्रोडक्ट की मांग बढ़ने से इलेक्ट्रॉनिक बाजार गरमा गया है। सिविल लाइंस, चौक, कटरा और मुट्ठीगंज जैसे प्रमुख बाजारों में सुबह से लेकर देर शाम तक ग्राहकों की भीड़ उमड़ी रही। बाजार में इनवर्टर एसी ग्राहकों की पहली पसंद बना हुआ है। बिजली की बचत और कम शोर के कारण लोग पुराने मॉडल के बजाए इनवर्टर तकनीक को प्राथमिकता दे रहे हैं। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र गोयल ने बताया कि प्रयागराज के विभिन्न शोरूम्स और रिटेल काउंटरों से रोजाना औसतन 350 से 400 एसी की बिक्री हो रही है। कारोबारी

मिथिलेश सिंह का कहना है कि कुछ चुनिंदा कंपनियों के लोकप्रिय मॉडल्स के लिए ग्राहकों को वेटिंग का भी सामना करना पड़ रहा है। वहीं एसी के साथ स्टेबलाइजर और इंस्टॉलेशन किट की मांग भी बाजार में तेजी से बढ़ी है।

एआई के साथ फाइव स्टार रेटिंग पर टिकी ग्राहकों की नजर

बढ़ते बिजली बिल की चिंता के कारण इस बार ग्राहक खरीदारी में समझदारी दिखा रहे हैं। कारोबारी केके श्रीवास्तव ने बताया कि शोरूम पर आने वाला हर दूसरा ग्राहक फाइव स्टार रेटिंग वाले एसी की मांग कर रहा है। हालांकि फाइव स्टार एसी की कीमत थ्री स्टार के मुकाबले थोड़ी अधिक है लेकिन लंबी अवधि में बिजली की बचत को देखते हुए मध्यम वर्ग भी इसी पर दांव लगा रहा है। उन्होंने बताया कि जो स्टॉक बिक भी रहा है उसमें 70 फीसदी डेढ़ टन वाले ही एसी है। एआई वाले एसी भी ग्राहकों को पसंद आ रहे हैं। कारोबारी वीके श्रीवास्तव ने बताया कि अगर आप घर से निकलते समय एसी बंद करना भूल जाते हैं, तो एआई फीचर आपको याद दिलाता है और एसी स्टैंडबाई मोड में चला जाता है।

एक माह में पॉक्सो एक्ट के 18 मामलों का हुआ निस्तारण

प्रयागराज। एक माह में पॉक्सो एक्ट के 18 मामलों का निस्तारण किया गया, जबकि गिरोहबंद अधिनियम के छह वाद निस्तारित हुए। इनमें एक वाद में सजा व एक वाद में रिहाई हुई और चार वाद दाखिल दफ्तर हुए हैं। यह जानकारी जेडी अभियोजन ने सोमवार को हुई अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक में दी। कलक्ट्रेट के संगम सभागार में एडीएम सिटी सत्यम मिश्र की अध्यक्षता में हुई बैठक में जेडी अभियोजन ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट में थाना लालपुर में पंजीकृत मुकदमे में तीन अभियुक्तों को 10–10 वर्ष का कारावास एवं 10–10 हजार रुपये जुर्माने की सजा कराई गई है। एडीएम सिटी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गैंगस्टर एक्ट से संबंधित लंबित मामलों में प्रभावी व समयबद्ध पैरवी की जाए, ताकि अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो सके। एडीएम सिटी ने कहा कि गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज प्रकरणों में साक्ष्यों का समुचित संकलन, समय पर चार्जशीट दाखिल करना और न्यायालय में मजबूत पक्ष प्रस्तुत करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अभियोजन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पुलिस विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर प्रत्येक मामले की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने अपराधियों की संपत्ति जब्ती की कार्रवाई में भी तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि गंभीर प्रकृति के मामलों में विशेष सतर्कता बरती जाए और साक्ष्यों का सुदृढ़ प्रस्तुतीकरण किया जाए, जिससे दोषियों को शीघ्र सजा दिलाई जा सके। एडीएम सिटी ने कम प्रगति वाले मामलों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और नियमित रूप से मामलों की मॉनिटरिंग व प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

तलाकशुदा महिला की संपत्ति पर पूर्व पति नहीं कर सकता दावाः हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि तलाक के बाद महिला की मृत्यु हो जाती है, तो उसे मिलने वाली धनराशि उसकी संपत्ति मानी जाएगी। उस पर उसके माता–पिता का अधिकार होगा। तलाक की डिक्री के बाद पति का उत्तराधिकार अधिकार स्वतः समाप्त हो जाता है। पूर्व पति इस संपत्ति पर कोई दावा नहीं कर सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की एकल पीठ ने मृतका किरन रायकवार की मां की याचिका स्वीकार करते हुए दिया। मामला बांदा जनपद के फैमिली कोर्ट से जुड़ा है जहां किरन रायकवार और उनके पति के बीच आपसी सहमति से तलाक हुआ था। समझौते के तहत पति को पत्नी को 20 लाख रुपये देने थे। इसमें से चार लाख रुपये पहले ही दिए जा चुके थे, जबकि शेष 16 लाख रुपये अदालत में जमा कराए गए थे। अदालत की ओर से इस राशि का चेक तैयार कर लिया गया था, लेकिन उसे प्राप्त करने से पहले ही 16 जुलाई 2024 को किरन रायकवार की मृत्यु हो गई।

इसके बाद मृतका की मां ने शेष 16 लाख रुपये पर दावा किया। पति ने इसका विरोध करते हुए दलील दी कि यह राशि केवल पत्नी के भरण–पोषण के लिए थी और उसकी मृत्यु के बाद किसी अन्य को नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा कि कानून के अनुसार महिला को मिलने वाली कोई भी राशि चाहे वह भरण–पोषण हो या न्यायालय के आदेश से मिली हो, वह उसकी व्यक्तिगत संपत्ति होती है। इस मामले में दंपती की कोई संतान नहीं थी और तलाक के बाद पति उत्तराधिकारी नहीं रह जाता। इसलिए संपत्ति पर माता–पिता का अधिकार बनता है।

क्रिकेट प्रतियोगिता में एएफएस गोरखपुर, बमरौली और केंद्रीय विद्यालय की जीत

प्रयागराज। केंद्रीय विद्यालय संगठन की 55वीं संभागीय अंडर–17 क्रिकेट प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय एएफएस, गोरखपुर, बमरौली और न्यू कैंट प्रथम पाली ने अपने–अपने मुकाबले जीत लिए। न्यू कैंट स्थित केंद्रीय विद्यालय मैदान पर सोमवार से शुरू हुई प्रतियोगिता के पहले मैच में केवी एएफएस गोरखपुर ने 10 ओवर में दो विकेट पर 101 रन (विशाल 55, अश्विन 13 नाबाद, आयुष दुबे और सामर्थ एक–एक विकेट) बनाए। जवाब में केवी बीएचयू प्रथम पाली की टीम 10 ओवर में पांच विकेट खोकर 77 रन (आयुष दुबे 23, राघव 14, किशन सिंह 2/17, विशाल और आर्यन सिंह एक–एक विकेट) ही बना सकी।

जिला कार्यकारिणी की बैठक में बनी कार्ययोजना

प्रतापगढ़। पतंजलि योग समिति और भारत स्वाभिमान ट्रस्ट की जिला कार्यकारिणी की बैठक जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान ट्रस्ट भूपेंद्र प्रताप सिंह जी के आवास पर आयोजित की गयी बैठक की अध्यक्षता पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी गोविंद जी ने तथा संचालन भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी भूपेंद्र सिंह जी ने किया बैठक में पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी दुर्गेश योगी जी की गरिमामय उपस्थिति रही उन्होंने बैठक में मुख्य रूप से निम्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए खाता संचालन की सक्रियता और ऑडिट रिपोर्ट की वर्तमान स्थिति. की जानकारी प्राप्त की साथ ही सह–योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के ऑनलाइन आयोजन की रूपरेखा बनाने पर चर्चा करते हुए इसमें सुधारात्मक बदलाव का आश्वासन दिया। उन्होंने सभी पुराने कार्यकर्त्ता बंधुओ से सम्पर्क संवाद और नये कार्यकर्त्ता को संगठन से जोड़ने और संगठन को गति देने पर जोर दिया सभी तहसील प्रभारी गण की वर्तमान स्थिति का अवलोकन एवं कार्य विस्तार पर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। भूपेंद्र जी ने पधारे हुए सभी साधको का स्वागत किया।

श्री गोविन्द जी के प्रस्ताव पर नियमित साधक श्री पुष्प राज मिश्रा जी को सर्वसम्मति से सदर तहसील के तहसील प्रभारी का दायित्व प्रदान किया गया। श्री भूपेंद्र जी के प्रस्ताव पर प्रवीण को भारत स्वाभिमान के सह जिला प्रभारी का दायित्व प्रदान किया गया। बैठक में गोविन्द जी भूपेंद्र जी दुर्गेश जी प्रवीण जी कोषाध्यक्ष व.छ चड्ढा जी, जिला संगठन मंत्री धीरज उपाध्याय जी, सह योग शिक्षक निर्भय जी की उपस्थिति रही। अंत में राज्य प्रभारी श्री दुर्गेश योगी जी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए सभी से संगठन को मजबूती प्रदान करने और सहयोग शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश प्रदान किया।

गौ संरक्षण ही सनातन बचाने का सही रास्ता है, गुरु और गौसेवा से ईश्वर की प्राप्ति संभव : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

अलीगढ़। गौ रक्षा ही सनातन को बचाने का सबसे सुलभ और सरल रास्ता है। इस गुरुमंत्र के साथ ही जगद्गुरुशंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी ने अपनी वाणी से सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया। अलीगढ़ में आज धार्मिक आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब परम् पूज्य स्वामी अभिमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का नगर आगमन हुआ। उनके स्वागत के लिए खेरेश्वर चौराहे पर स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज के सानिध्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वकल्याण सेवा संस्थान एवं वैदिक ज्योतिष संस्थान के सदस्यों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ उनका अभिनंदन किया। स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु

उपस्थित रहे। जैसे ही शंकराचार्य जी का काफिला खेरेश्वर चौराहे पर पहुँचा, फूल–मालाओं, जयकारों और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उनका अभिनंदन किया गया। पूरा क्षेत्र "हर–हर महादेव" और "जय श्री राम" के नारों से गूंज उठा, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। अपने संबोधन में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने गौ संरक्षण के महत्व पर विशेष जोर देते हुए कहा कि "गाय सुरक्षित होगी तो धर्म सुरक्षित रहेगा।" उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय का स्थान अत्यंत पूजनीय है और यह केवल आस्था का विषय ही नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि वे गौ संरक्षण के लिए आगे आएं और इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं।सनातन को सर्वोपरि रखकर हर सनातनी को गौ सेवा का गुरुमंत्र जीवन मै ढालना चाहिए। गौरक्षा व सेवा ही सनातन बचाने का मूल मंत्र है। उन्होने बताया कि माता पिता की सेवा के बाद गुरु और गौ सेवा को हर सनातनी अपनी दिन चर्या में शामिल कर ले तो अपने धर्म और सनातन की धर्म ध्वजा को विश्व में लहराने से कोई नही रोक सकता। जो अपने धर्म पर अडिग है,वही सच्चा सनातनी है और वही प्राणी ईश्वर के हृदय में अपने स्थान को प्राप्त करता है।

इस अवसर पर स्वामी पूर्णानंद पुरी जी महाराज ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शंकराचार्य जी का मार्गदर्शन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि ऐसे संतों का सान्निध्य समाज को सही दिशा देने में सहायक होता है और हमें उनके संदेशों को जीवन में उतारना चाहिए।यह भव्य स्वागत कार्यक्रम न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करने वाला साबित हुआ। इस दौरान कार्यक्रम में वैदिक ज्योतिष संस्थान के पदाधिकारियों सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर शंकराचार्य जी का आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके विचारों को समाज में प्रसारित करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर स्वामी निधि सागर जी महाराज स्वामी अप्रमेय शिव साक्षातकृतानंद गिरी जी महाराज, ब्रह्मचारी अखिलेश कृष्ण जी, ब्रह्मचारी वैष्णवानंद जी, नरोत्तम पारिक जी गौरव शास्त्री,रवि शास्त्री,विनीत शास्त्री, कृष्णा शास्त्री, शैलेन्द्र ठाकुर,मंजु सिंघल, दिलीप सिंघल (गुड्डू भैया),अभिषेक सिंघल,सतेन्द्र सिंह,देवेश शर्मा गुड्डू,सत्या ठाकुर,डी. डी शर्मा, प्रभा शर्मा,प्रवीन वार्ष्णेय,नीलम वार्ष्णेय, सतेन्द्र ठाकुर,अरविंद सारस्वत,मीना सारस्वत, उद्योगपति धनजीत वाड्रा,सिब्बू अग्रवाल,छायांक अग्रवाल,तेजवीर सिंह,जितेंद्र गोविल,शिवा ठाकुर, पवन तिवारी,शीलू ठाकुर, सुमित वर्मा,राजू वर्मा,रामू पंडित, दीपू सिंह वसई,धीरू ठाकुर,शिवम् ठाकुर,पी.के ठाकुर,जसवंत सिंह,गौरव सिंह, अरुन जादौन,तनुज प्रधान आदि सनातनी भक्त मौजूद रहें।

तिनसुकिया गोलाघाट की अप्रैल माह की काव्य गोष्ठी ऑफलाइन सम्पन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट की अप्रैल माह की काव्य गोष्ठी सोमवार को आंफलाईन रंजना बिनानी काव्या की अध्यक्षता में कुसुम बजाज के संचालन में उन्हीं के निवास स्थान पर धूमधाम से संपन्न हुई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राधा बिनानी एवं विशिष्ट अतिथि किरण तापड़िया रही। गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के विचार पर सभी ने अपने अपने वक्तव्य व भाव प्रेषित कर हमें अनुग्रहित किया।

हमारा परम सौभाग्य है कि आजष गौ सम्मान दिवस ष्के दिन हमने ऑफलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया, और यह कार्यक्रम बहुत ही सुंदर व सुचारू रूप से संपन्न हुआ। सभी बहनों ने गौ माता पर अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर आज समां बांध दिया।

सर्वप्रथम मां शारदे को स्मरण कर कार्यक्रम की शुभ

शुरुआत की गई। सभी ने अपनी–अपनी प्रस्तुतियां देकर आज की काव्य गोष्ठी में चार चांद लगा दिए।

प्रस्तुति देने वाली....बहने.. मीना नागौरी , कुसुम बजाज , सरला बजाज, , , रंजना बिनानी, राधा बिनानी, एवं सीमा सिंघी जी रही।

किरण तापड़िया, कांता बजाज, कविता बजाज एवं कमला बजाज ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सबका मनोबल बढ़ाया।

कार्यक्रम संयोजक सरला बजाज जी द्वारा कुशल मंच संचालन किया गया, शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी काव्या जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन द्वारा इस काव्य गोष्ठी का समापन किया गया।

शहर समता गोलाघाट शाखा द्वारा प्रत्येक माह काव्य गोष्ठी का सफल आयोजन किया जाता है और हमारी सभी बहने काव्य गोष्ठी में बढ़–चढ़ के हिस्सा लेती है और कार्यक्रम को सफल बनाती है।

कटरा गुलाब सिंह के युवा वैज्ञानिक डॉ. अभय प्रकाश श्रीवास्तव की बड़ी उपलब्धि: बैटरी तकनीक में क्रांतिकारी खोज

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़ से एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि सामने आई है, जहाँ डॉ. अभय प्रकाश श्रीवास्तव पुत्र श्री भुवन प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा लिथियम–आयन बैटरियों के क्षेत्र में एक उन्नत शोध कार्य किया गया है। यह शोध कार्य डॉ. बृजेश कुमार पांडेय, प्रोफेसर मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के निर्देशन में संपन्न हुआ है। यह अध्ययन ऊर्जा भंडारण तकनीक को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है और विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों तथा आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

यह शोध प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक जर्नल "जर्नल ऑफ द इलेक्ट्रोकेमिकल सोसाइटी में प्रकाशित हुआ है। यह जर्नल ऊर्जा भंडारण, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, बैटरी तकनीक और उन्नत सामग्री विज्ञान के क्षेत्र में विश्वभर में अत्यंत सम्मानित माना जाता है। इसमें प्रकाशित शोध उच्च गुणवत्ता, नवीनता और वैज्ञानिक कठोरता के लिए जाने जाते हैं।

इस जर्नल का प्रकाशन इलेक्ट्रोकेमिकल सोसाइटी (The Electrochemical Society & ECS) द्वारा किया जाता है, जो विश्व की अग्रणी वैज्ञानिक संस्थाओं में से एक है। इस जर्नल में शोध प्रकाशित होना किसी भी वैज्ञानिक कार्य की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता को दर्शाता है और यह इस बात का प्रमाण है कि प्रस्तुत अध्ययन वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय के लिए महत्वपूर्ण योगदान देता है।

इस शोध में वैज्ञानिकों ने टाइटेनियम डाइऑक्साइड नामक एक सामान्य और सस्ती सामग्री में मोलिब्डेनम, नियोबियम और वैनाडियम जैसे तत्वों को मिलाकर उसके गुणों में सुधार किया है। शोध के अनुसार, इस प्रक्रिया से सामग्री की ऊर्जा संग्रहण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो पारंपरिक ज्पव्2 की तुलना में लगभग दोगुनी तक पहुँच गई है। यह खोज भविष्य की उच्च क्षमता वाली बैटरियों के विकास में अहम भूमिका निभा सकती है।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि डोपिंग प्रक्रिया से लिथियम आयनों की गति तेज हो जाती है, जिससे बैटरी को जल्दी चार्ज और डिस्चार्ज किया जा सकता है। इसके साथ ही, सामग्री की विद्युत चालकता में भी वृद्धि होती है, जिससे ऊर्जा की हानि कम होती है और बैटरी की कार्यक्षमता बेहतर होती है। यह गुण विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों और पोर्टेबल उपकरणों के लिए लाभकारी हैं।

यह शोध आधुनिक कंप्यूटेशनल तकनीक, विशेष रूप से डेंसिटी फंक्शनल थ्योरी (क्थ्ज) के माध्यम से किया गया है, जिसमें परमाणु स्तर पर सामग्री के गुणों का विश्लेषण किया गया। इस विधि से यह सुनिश्चित किया गया कि विकसित सामग्री न केवल अधिक क्षमता प्रदान करती है, बल्कि स्थिर और व्यावहारिक उपयोग के लिए उपयुक्त भी है।

यह कार्य डॉ. अभय प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा किया गया है, जो मूलतः बछुआ, कटरा गुलाब सिंह के निवासी हैं। यह दर्शाता है कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से भी उच्च स्तरीय वैज्ञानिक अनुसंधान संभव है। यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि क्षेत्र और देश के लिए भी गौरव का विषय है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह शोध भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। यदि इस तकनीक को औद्योगिक स्तर पर लागू किया जाता है, तो यह बैटरियों की क्षमता, जीवनकाल और चार्जिंग गति को बेहतर बनाकर ऊर्जा संकट के समाधान में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

मकान सूचीकरण व जनसंख्या गणना पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी : बीईओ उरुवा

आर.बी.एस.महाविद्यालय मेजाखास के हॉल में मेजा तहसील की जनगणना का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु

मेजा। तहसील मेजा के प्रथम चरण की तीन दिवसीय ष मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना ष (भारत की जनगणना 2027) प्रशिक्षण के प्रथम चरण का शुभारंभ मंगलवार से आर.बी.एस.महाविद्यालय मेजाखास के हॉल में शुरू हुआ। उक्त तीन दिवसीय प्रगणक एवं पर्यवेक्षक जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम 28 अप्रैल 2026 से 6 मई 2026 तक चलाया जाएगा। जिसमें मेजा तहसील के तीनों ब्लॉक (मेजा, उरुवा व मांडा) के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक, अनुदेशक व शिक्षामित्र को उक्त जनगणना हेतु प्रशिक्षित किया जा रहा है। सुबह प्रशिक्षण का जायजा लेने पहुंचे प्रशिक्षण प्रभारी / उपजिलाधिकारी मेजा सुरेन्द्र प्रताप यादव ने सभी प्रशिक्षण हॉल के कमरों का जायजा लिया। प्रशिक्षण में कुल 450 शिक्षकों ने भाग लिया है,जिसे कुल 9 हॉल में प्रशिक्षण कराया जा रहा है। उपजिलाधिकारी मेजा ने कहा कि जनगणना 2027 भारत की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी, जो अप्रैल–सितंबर 2026 (मकान सूचीकरण) और फरवरी 2027 (जनसंख्या गणना) में दो चरणों में आयोजित होगी। यह 11,718 करोड़ रुपये की परियोजना है, जिसमें च्प्ठ के अनुसार पहली बार जाति आधारित डेटा एकत्र किया जाएगा। जनगणना 2027 के लिए प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय गहन प्रशिक्षण देश भर में शुरू हो गया है। यह पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी,जिसमें ष्भ्स्व ।चचष के माध्यम से मकानों की सूचीकरण 16 मई 2026 से शुरू होकर 30 दिनों तक चलेगी। प्रशिक्षण में बताया गया कि जनगणना का पहला चरण 22 मई से शुरू होगा, जिसमें मकानों की सूचीकरण और मकानों की स्थिति का विवरण एकत्र किया जाएगा। जनगणना के लिए श्भ्स्व् (हाऊस लिस्टिंग ऑपरेशन) मोबाइल ऐप का उपयोग किया जाएगा, जिसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नागरिक स्वयं भी पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। जनगणना के पहले चरण में मकानों से संबंधित 33 सवाल पूछे जाएंगे और 2027 की जनगणना में जातिगत डेटा भी शामिल किया जाएगा। फील्ड व प्रशिक्षण ट्रेनर के रूप में अभिजीत सिंह, रंजीत श्रीवास्तव, अजीत राय, चंदन कुमार, अरविंद कुमार, रविशंकर, रामबरन, संगीता सिंह, रॉकी यादव, अमित श्रीवास्तव, अजय कुमार, माया तिवारी, मोनिका मौर्या, श्रद्धा श्रीवास्तव, मनोज कुमार, पीयूष मिश्रा व माया दिवाकर द्वारा सभी को जनगणना के सभी कार्यों के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। जनगणना प्रशिक्षण की देखरेख में लगे सहायक प्रशिक्षण प्रभारी / बीईओ उरुवा वरुण मिश्रा, बीईओ मेजा कैलाश सिंह व बीईओ मांडा नीलम शाक्यर ने बीच–बीच मे जाकर प्रशिक्षण हॉल का जायजा लेते रहें। बीईओ उरुवा वरुण मिश्रा ने बताया कि प्रगणकों को डिजिटल मैपिंग, मकानों की नंबरिंग, भ्स्व ।चच का उपयोग और डेटा एकत्र करने के लिए प्रशिक्षित करना है। उक्त अवसर पर चार्ज अधिकारी जनगणना मेजा प्रेम नारायण, प्रशिक्षण प्रभारी अनूप कुमार द्विवेदी, राजेश मिश्रा, प्रीतम दास, कमरुल हसन, कृष्ण कुमार शुक्ला, ओम प्रकाश आदि कई लोग उपस्थित रहें।

मैं एटीएस ऑफिसर बोल रहा हूं, तुम जेल जाओगे, ट्रेजरी ऑफिसर को 27 दिन तक रखा डिजिटल अरेस्ट

लखनऊ, संवाददाता। साइबर जालसाजों ने सेवानिवृत्त ट्रेजरी ऑफिसर को 27 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रख 84 लाख 50 हजार रुपये ठग लिए। ठगों ने जानकीपुरम के सेक्टर–जी में रहने वाले बदरुद्दीन अंसारी को मनी लॉन्ड्रिंग में संलिप्त होने का आरोप लगाकर जेल भेजने की धमकी दी थी। ठगों के धमकी से डरकर पीड़ित ने बताए गए खातों में रकम भेज दी। साइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार के मुताबिक पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। ठगों के खातों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पीड़ित बदरुद्दीन का कहना है कि सात मार्च को उनके पास अंजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई थी। फोन करने वाले ने अपना नाम प्रमोद कुमार मिश्र बताया। प्रमोद ने कहा कि वह पुलिस हेड क्वार्टर लखनऊ से बोल रहा है। आपका नाम महाराष्ट्र में मनी लॉन्ड्रिंग में आया है। आपके नाम से एचडीएफसी बैंक में खाता खोलकर अवैध ट्रांजेक्शन किया गया है। ठगों ने झांसे में लेने के लिए बदरुद्दीन के पास एनआईए, आरबीआई और सुप्रीम कोर्ट के जाली कागजात व्हाट्सएप पर भेजे।

फूलों का संसार

पंखुड़ियाँ, गुण की सदा, बन करके पर्याय।
बना रही हैं फूल को, हरि की तरह सहाय।
हरि की तरह सहाय, काम कर उनके जैसा।
बन सुगन्ध अरु दवा, न लेते उसका पैसा।
सुन लो कहें प्रदीप, बताती हैं सब परियाँ।
फूलो की पहचान, बनाती हैं पंखुड़ियाँ।।

तेरी–मेरी से परे, फूलों का संसार।
मस्त कलन्दर की तरह, करता है व्यवहार।
करता है व्यवहार, नहीं यह चाहत रखता।
सबको दे मुस्कान, हमेशा हँसता रहता।
सुन लो कहें प्रदीप, विदेशी हो या देशी।
सब करते हैं त्याग, न करते तेरी–मेरी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

हीटवेव में पशु–पक्षियों को बचाने की अपील, पानी और दाना रखने पर जोर

तापमान 40 डिग्री पार, एडीएम ने लोगों से जीव–जंतुओं की देखभाल में सहयोग की अपील की

मथुरा। जिले में बढ़ते तापमान और हीटवेव के खतरे को देखते हुए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने पशु–पक्षियों के संरक्षण हेतु जनसहभागिता की अपील की है। उन्होंने बताया कि जनपद का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो गया है और आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि जहां मनुष्य अपनी प्यास बुझाने के लिए पानी की व्यवस्था कर लेता है, वहीं पक्षी और मूक पशु पानी के लिए भटकते रहते हैं। गर्मियों में पानी की कमी के कारण कई पक्षियों और जानवरों की मौत तक हो जाती है। ऐसे में लोगों का छोटा सा प्रयास भी इन बेजुबान प्राणियों की जान बचा सकता है।

अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों, बालकनी और छतों पर छायादार स्थानों में पानी से भरे बर्तन रखें और समय–समय पर पानी बदलते रहें। साथ ही पक्षियों के लिए चना, चावल, ज्वार, गेहूं आदि अनाज भी रखें, जिससे उन्हें भोजन मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि पानी के बर्तन पशु–पक्षियों के आकार के अनुसार रखें, ताकि उन्हें पीने में कोई असुविधा न हो। इसके अलावा, घरों के बाहर बड़े बर्तनों या कोटनों में पानी भरकर रखने से आवारा पशुओं को भी राहत मिल सकती है। तालाब, पोखर और अन्य जल स्रोतों को साफ रखने की भी अपील की गई है, ताकि प्राकृतिक जल स्रोतों का उपयोग पशु–पक्षी कर सकें। प्रशासन ने कहा कि गर्मी के इस दौर में सभी लोग संवेदनशीलता दिखाएं और बेजुबान जीवों की प्यास बुझाने में अपना योगदान दें, जिससे उनकी जिंदगी बचाई जा सके।

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर जीआईसी दघेंटा में विचारोत्तेजक सेमिनार

पुस्तक अध्ययन की घटती रुचि पर मंथन, विद्यार्थियों को संतुलित जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा

मथुरा (बलदेव)। राजकीय इंटर कॉलेज दघेंटा के पुस्तकालय में "सोशल मीडिया के बढ़ते प्रयोग के कारण पुस्तक अध्ययन में घटती रुचि" विषय पर एक विचारोत्तेजक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति रुचि जागृत करना और सोशल मीडिया के प्रभाव पर गंभीर चिंतन करना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश यादव ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पुस्तकें ज्ञान का वास्तविक स्रोत हैं और इनके माध्यम से ही व्यक्तित्व का समग्र विकास संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को सचेत करते हुए कहा कि सोशल मीडिया और ऑनलाइन अध्ययन सुविधाजनक अवश्य हैं, लेकिन वे पुस्तकों का स्थान नहीं ले सकते। अत्यधिक स्क्रीन टाइम से आंखों और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

सेमिनार में छात्र–छात्राओंकृपार्थिव शुक्ला, निशा, मोहिनी, राजेंद्र एवं डॉली ने अपने विचार रखते हुए बताया कि सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने अध्ययन की आदतों को किस प्रकार प्रभावित किया है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों एवं गणमान्य व्यक्तियोंकृडॉ. अखिलेश यादव, जनार्दन राजभर, भवानी शंकर जांगिड़, बृजेश अग्निहोत्री एवं उमेश कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए और विद्यार्थियों को नियमित पुस्तक अध्ययन तथा संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मोनिका, मोहिनी, रश्मि, तनु, चारू, जितेंद्र, मुस्कान, देवेश, हेमंत, मयंक, कृष्ण और हर्ष का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

लखनऊ में कारोबारी से ठगे 1.15 करोड़ रुपये, एसआईपी और क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने का दिया झांसा

लखनऊ, संवाददाता। कृष्णानगर के पूरन नगर निवासी कारोबारी राजेंद्र सिंह चौहान को परिचित ने एसआईपी और क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर मुनाफा कमाने का झांसा दिया। फिर उनके 1.15 करोड़ रुपये हड़प लिए। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। राजेंद्र ने बताया कि वर्ष 2019 में उनका परिचय हिमांशु गिहर से हुआ था। बातचीत और व्यहवार बढ़ने पर आरोपी ने उन्हें एसआईपी में निवेश कर हर माह दस गुना मुनाफा कमाने का झांसा दिया। लालच में आए पीड़ित ने वर्ष 2021 से 23 के बीच 50 लाख निवेश कर दिए। मगर मुनाफा नहीं मिला। विरोध पर आरोपी ने एसआईपी में घाटा होने की बात कहते हुए दोबारा क्रिप्टो में निवेश करने की बात कही। ठग ने कहा कि क्रिप्टो में निवेश करने पर पहले के डूबे 50 लाख रुपये भी रिकवर करा देगा। राजेंद्र ने बताया कि अपनी डूबी रकम पाने के लिए उन्होंने वर्ष 2023 से 25 के बीच इस बार 65 लाख रुपये निवेश कर दिए। मगर न तो पहली डूबी रकम रिकवर हुई और न कोई मुनाफा मिला। पीड़ित का आरोप है कि रकम मांगने पर आरोपी अप्रैल 2026 तक टरकाता रहा, फिर धमकाना शुरू कर दिया। पीड़ित का कहना है कि ठग ने 1.15 करोड़ रुपये खुद न लेकर अपने घरवालों के बैंक खातों में लिए थे फिर रकम निवेश कराई थी।

सम्पादकीय.....

अंधश्रद्धा को सही चुनौती!

अपने चमत्कार दिखाकर धार्मिक श्रद्धा के बाजार और भक्ति के व्यापार में बहुत जल्द तरक्की करने वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को अब अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने चुनौती दी है। महाराष्ट्र की अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति (एएनआईएस) ने दो परीक्षणों के जरिए मध्यप्रदेश के बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के श्चमत्कारीश दावों को चुनौती दी है। एएनआईएस के संस्थापक प्रो. श्याम मानव ने बीते दिनों नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को दो विशेष परीक्षणों से गुजरना होगा। अगर वे इन परीक्षणों में सफल होते हैं तो उन्हें रुपए 80 लाख की पुरस्कार राशि दी जाएगी, लेकिन अगर वे असफल होते हैं तो उनके कार्यक्रम शुल्क से जमा 8 लाख जब्त कर लिए जाएंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक शास्त्री ने इस चुनौती को स्वीकार नहीं किया है, हालांकि उनका कहना है कि श्मेरे पास कोई अलौकिक शक्तिनहीं है, सभी शक्तियां बजरंगबली की हैं। मुझे केवल इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि मैं धर्मांतरण का विरोध करता हूं। इस पर प्रो. श्याम मानव का कहना है कि श्अगर वे वाकई दिव्य शक्तियां रखते हैं, तो हमारे परीक्षण में क्या डर? हम सार्वजनिक रूप से सिद्ध करने को तैयार हैं। गौरतलब है कि अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने यह चुनौती तीन शर्तों के साथ रखी है, धीरेंद्र शास्त्री को बंद लिफाफों में रखे 10 अलग–अलग व्यक्तियों के नाम, उनके माता–पिता के नाम, उम्र और मोबाइल नंबर सही–सही पहचानना होगा। धीरेंद्र शास्त्री को परीक्षण वाली जगह पर बगल के कमरे में रखी 10 अलग–अलग वस्तुओं की पहचान बिना देखे करनी होगी। पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग नागपुर में होगी और दोनों पक्षों की पांच–पांच सदस्यीय समिति इसकी निगरानी करेगी। बजरंगबली की शक्ति पर अटूट आस्था दिखाने वाले शास्त्री इन चुनौतियों को मानेंगे या नहीं, उसमें कामयाब होंगे या नहीं, यह तो बाद की बात है। लेकिन इस समय समाज जिस तेजी से अंधश्रद्धा का शिकार हो रहा है, आस्था और अंध ाविश्वास में फर्क को मिटाया जा रहा है, धर्म के मायने बदलकर दूसरे धर्म के लोगों से नफरत, बदला लेने की भावना को बढ़ावा मिल रहा है, संविधान को अपमानित कर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की मुहिम चलाई जा रही है, उसमें यह बेहद जरूरी है कि इस तरह के क्रियाकलापों पर तार्किक सवाल उठाए जाएं। प्रो. श्याम मानव ने इस चुनौती के साथ एक गंभीर आरोप भी लगाया है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यकाल में महाराष्ट्र में अंधविश्वास बढ़ा है। हालांकि इस आरोप का दायरा बढ़ाकर पूरे देश पर लागू किया जा सकता है, क्योंकि शायद ही कोई राज्य, कोई जिला ऐसा होगा जहां अंधविश्वास से ग्रस्त जनता और उसे बढ़ावा देने वाला शक्तिशाली, संपन्न तबका मौजूद न हो। इसके बरक्स वैज्ञानिक सोच और नजरिए को बढ़ावा देने वाले लोग नगण्य रह गए हैं। अभी पिछले हफ्ते ही देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने पिछले सोमवार ही अपने परिवार के साथ छतरपुर के बागेश्वर धाम में बालाजी की पूजा की और पीठाधिश्वर धीरेंद्र शास्त्री से भी मुलाकात की। जिसके बाद बी आर गवई ने कहा कि बागेश्वर धाम में सनातन संस्कृति को मजबूत करने के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, वे सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़े सामाजिक कार्य निरंतर चलते रहें, तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। इस मौके पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने बागेश्वर ध ाम में संचालित कैंसर हॉस्पिटल का भी जिक्र किया और वहां की स्वास्थ्य सेवाएं भी देखीं। व्यक्तिगत तौर पर श्री गवई चाहे किसी भी धर्मालय में जाएं और जो चाहें पूजा करें। लेकिन जिस पद पर वे रह चुके हैं, उसके बाद इस तरह किसी विशेष धाम के बारे में बयान देना उचित नहीं है। अच्छी बात है कि छतरपुर में धीरेन्द्र शास्त्री ने कैंसर अस्पताल बनवाया है, लेकिन बेहतर चिकित्सा व्यवस्था की जो जिम्मेदारी सरकार की है, क्या उस पर भी श्री गवई कहेंगे। वैसे जब मुख्य न्यायाधीश रहते हुए डी. वाय. चंद्रचूड़ के साथ प्रधानमंत्री ने उनके घर पर गणेश पूजा में हिस्सा लिया। या अभी राजस्थान के मुख्यमंत्री ने भारत के मुख्य न्यायाधीश के लिए भारत सरकार के मुख्य न्यायाधीश का संबोधन दिया, उसके बाद न्यायपालिका से बची हुई आस भी टूटने लगी है। ध्यान रहे कि इन्हीं जस्टिस गवई के ऊपर एक वकील ने अदालत के भीतर जूता उछाल दिया था, क्योंकि विष्णु की खंडित प्रतिमा को लेकर दिए उनके बयान पर वकील को सनातन का अपमान महसूस हुआ था। अब वही बी आर गवई धीरेन्द्र शास्त्री के कामों को सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने वाला बता रहे हैं। तो क्या देश में बड़ी चालाकी से माहौल तैयार हो रहा है कि कु छ समय बाद हिंदू राष्ट्र की उद्घोषणा हो जाए तब विरोध करने वाला कोई बचे ही नहीं। असल में ध ीरेन्द्र शास्त्री इस पूरे खेल में एक नया और युवा किरदार ही हैं। उनसे पहले आसाराम, नित्यानंद, अशोक खरात और न जाने कितने तरह के किरदारों ने अंधश्रद्धा को बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाई है। राजनीति, खेल, कला और फिल्म जगत से जुड़ी बड़ी हस्तियां इनके यहां माथा नवाते दिखती हैं, तो समाज का पीड़ित, कमजोर तबका सोचता है कि हम भी ऐसा ही करें तो शायद हमारी तकलीफें दूर हो जाएं, हमें भी ठाठ से रहने के मौके मिले। इस तरह जनता को आराम पहुंचाने की जो जिम्मेदारी सरकार की है, वो अंधश्रद्धा के जिम्मे आ जाती है, जो कभी भी दान की चादर में मिले अरबों रूपए बटोर कर उठा ली जाती है। जनता को न आराम मिलता है, न ठाठ! ऐसे खेल को रोकने के लिए जरूरी है कि प्रो. श्याम मानव ने जो चुनौती पेश की है, उसे व्यापक स्थान मिले।

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटिंग के नतीजे असल में क्या संकेत देते हैं?

टी एन अशोक

ज्यादातर लोकतंत्रों में भारी मतदान को एक अच्छी बात माना जाता है, जो चुनाव प्रणाली में भरोसे की निशानी है। परन्तु भारत में यह बात इतनी सीधी नहीं है। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों में जो जबरदस्त भागीदारी देखने को मिलीकृजहां मतदान क्रमशरू 84 प्रतिशत और 92 प्रतिशत के पार पहुंच गईकृउसे और गहराई से समझने की जरूरत है। ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं। ये संकेत हैं, कुछ गड़बड़ियां हैं, और कुछ मामलों में, जान–बूझकर की गई राजनीतिक चालें हैं। पहली नजर में, तमिलनाडु की रिकॉर्ड मतदान एक जानी–पहचानी कहानी जैसी लगती है। इतिहास गवाह है कि जब–जब मतदान में अचानक उछाल आया हैकृखासकर 2011 मेंकृतब–तब सत्ता–विरोधी लहर भी जोरों पर रही है। इससे अपने–आप यह सवाल उठता हैरू क्या सत्ताध ारी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्रकडगम (द्रमुक) मुश्किल में है? इसका जवाब है, जरूरी नहीं। 2026 में मतदान में जो उछाल आया है, वह एक काफी बदले हुए मतदाता सूची पर आधारित है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की वजह से मतदाताओं की संख्या लाखों में कम हो गई थी। इसलिए, भले ही मतदान का प्रतिशत बढ़ा हो, लेकिन मतदाताओं की कुल संख्या में जो बढ़ोतरी हुई हैकृपिछले चुनावों के मुकाबले लगभग 19 लाखकृ वह उतनी बड़ी नहीं है जितनी दिखती है। दूसरे शब्दों में, यह मतदाताओं का एक छोटा समूह है जो ज्यादा जोश से मत डाल रहा है, न कि कोई पूरी तरह से नई लहर जो चुनावी मैदान का नक्शा बदल रही हो। यह फर्क समझना जरूरी है। यह इस सोच को थोड़ा नरम करता है कि सत्ता के खिलाफ कोई बहुत बड़ी लहर चल रही है। अभिनेता से नेता बने विजय और उनकी पार्टी, तमिलगावेट्रीकडगम (टीवीके) के चुनावी मैदान में उतरने से युवा मतदाताओं में, खासकर 18 से 40 साल के लोगों में, यकीनन नया जोश भर गया है। मतदाताओं का यह समूहकृजो तमिलनाडु में पहले से ही काफी बड़ा हैकृइस बार बड़ी संख्या में मत डालने के लिए बाहर निकला है। लेकिन जोश होना और चुनावी तौर पर एकजुट होना, ये दोनों अलग–अलग बातें हैं। विजय की लोकप्रियता फैली हुई है, शहरी इलाकों में ज्यादा है, और अभी भी अपने राजनीतिक स+फर के शुरुआती दौर में है। उनकी मौजूदगी से शायद ये हुआ हैरू मतदान का प्रतिशत बढ़ा है, खासकर पहली बार मत डालने वालों के बीच। द्रमुक–विरोधी मत एक जगह जमा होने के बजाय अलग–अलग हिस्सों में बंट गए हैं। खासकर शहरी इलाकों की करीबी चुनावी लड़ाइयों में, जिससे नतीजों का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है। द्रमुक के लिए, यह विरोधाभासी रूप से फायदेमंद है। एक बंटा हुआ विपक्ष, सत्ता–विरोधी लहर के पूरी तरह हावी होने के जोखिम को कम कर देता है। शोर–शराबे के बावजूद, द्रमुक के पास कई ऐसे फायदे हैं जो खामोश हैं, महिला मतदाता, जिनकी संख्या अब पुरुषों से ज्यादा है, लगातार कल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता के पक्ष में रही हैं। शासन का एक अपेक्षाकृत स्थिर माहौल, जिसमें कोई बड़ा घोटाला नहीं हुआ है। गहरे संगठनात्मक नेटवर्क, जिनकी बराबरी नए आए दल नहीं कर सकते। नेता एम. के. स्टालिन ने भड़काऊ बयानबाजी से परहेज किया है, और द्रमुक को गुस्से का निशाना बनने के बजाय स्थिरता के रक्षक के रूप में पेश किया है। इस संदर्भ में, भारी मतदान, शायद प्रतिस्पर्धी लामबंदी को दर्शाता है, न कि किसी अस्वीकृति को। विपक्ष का खेमा एकजुट होने के बजाय ज्यादा भीड़भाड़ वाला है। जयललिता के बाद पैदा हुए नेतृत्व के खालीपन के चलते, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्रकडगम (अन्नाद्रमुक) अभी भी नेतृत्व की स्पष्टता के लिए संघर्ष कर रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना विस्तार तो किया है, लेकिन द्रविड़ राजनीतिक परिवेश में उसकी संरचनात्मक सीमाएं अभी भी बनी हुई हैं। उनके गठबंधन का गणित तो शायद काम कर जाए, लेकिन उनकी कहानी में कोई तालमेल नहीं है। याद रहे भारी मतदान वाले चुनावों में, अक्सर गणित से ज्यादा कहानी मायने रखती है। अगर तमिलनाडु में मतदान का रुझान अस्पष्ट है, तो पश्चिम बंगाल में यह बेहद स्पष्ट है। 92 प्रतिशत का आंकड़ा पार करना, न केवल लोगों की भागीदारी को दर्शाता है, बल्कि उनके जोश को भी दिखाता हैकृएक ऐसा समाज जो गहरे तौर पर ध्रुवीकृत है और मतदान को अपने अस्तित्व की लड़ाई मान रहा है। यहां, मतदान का मकसद जिज्ञासा कम और मजबूरी ज्यादा है। मत डालने के लिए बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों के वापस लौटने की खबरें काफी अहम हैं। बंगाल में लंबे समय से प्रवासन के कारण चुनावी भागीदारी कमजोर होती रही है। उनका वापस लौटना यह संकेत देता हैरू एक ऐसी सोच कि यह चुनाव सामान्य से कहीं ज्यादा मायने रखता है। राजनीतिक दांव–पेंच को लेकर एक बढ़ा हुआ एहसास, जो अब उनकी निजी पहचान से भी जुड़ गया है। यह कोई सामान्य चुनावी लामबंदी नहीं है। यह भावनाओं की पुकार है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस चुनाव को श्शासन बनाम विपक्षश की लड़ाई के तौर पर नहीं, बल्कि बंगाल बनाम बाहरी दखल की लड़ाई के तौर पर पेश किया है। नागरिकता कानून (सीएए), संभावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी), और मतदाता सूची में संशोधन (एसआईआर) से जुड़े आरोपों जैसे मुद्दों को, सांस्कृ तिक और राजनीतिक खतरे की एक बड़ी कहानी में पिरो दिया गया है। कोई इस नजरिए से सहमत हो या न हो, लेकिन राजनीतिक तौर पर यह काफी असरदार साबित हुआ है। यहां भारी मतदान शायद इन बातों को दर्शाता है, अल्पसंख्यक और ग्रामीण मतदाताओं का एकजुट होना। भाजपा के कथित वैचारिक विस्तार के खिलाफ एक जवाबी लामबंदी। मत को किसी आकांक्षा के बजाय, अपनी सुरक्षा के एक हथियार के तौर पर देखना। सबसे अहम सवाल यह हैरू क्या 92प्रतिशत से अधिक का मतदान मौजूदा सत्ताधारी दल के प्रति गुस्से का संकेत है, या फिर चुनौती देने वाले दल के प्रति डर का? बंगाल में, सुबूत बाद वाली बात की तरफ इशारा करते हैं। ऐसा लगता है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी)ने अपनी कमजोरी को एक जरूरी मुद्दे में बदल दिया है। सिर्फ अपने काम के बचाव के बजाय, उसने हार के नतीजों को ही नए सिरे से परिभाषित कर दिया है। भाजपा के लिए, इससे एक अजीब विरोधाभास पैदा हो गया है। उसके उभार ने मुकाबले का दायरा तो बढ़ाया हैकृलेकिन साथ ही एक ऐसी प्रतिक्रिया भी पैदा कर दी है, जिससे उसके विरोधियों के बीच मत डालने वालों की संख्या बढ़ गई है। अगर तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल को साथ–साथ देखें, तो वे एक ही घटना के बारे में दो अलग–अलग कहानियां बताते हैं। तमिलनाडु में भारी मतदान प्रतिस्पर्धा, युवाओं का भारी संख्या में प्रवेश और बिखरे हुए विपक्ष की वजह से हुआ। पश्चिम बंगाल में ध्रुवीकरण, पहचान और अस्तित्व के लिए माने जाने वाले दांव की वजह से। एक में, यह बढ़त मौजूदा सरकार को स्थिर कर सकती है। दूसरे में, यह उसे बचा सकती है। भारी मतदान अपने आप में कोई फैसला नहीं है। यह एक सवाल है। तमिलनाडु में, यह पूछता है कि क्या कोई नई राजनीतिक ताकत जोश को सत्ता में बदल सकती हैकृया सिर्फ मतों को फिर से बांट सकती है? पश्चिम बंगाल में, यह पूछता है कि क्या डर को वफादारी में बदला जा सकता हैकृऔर क्या ध्रुवीकरण ऐसी जगह पहुंच गया है जहां से वापसी नहीं हो सकती? किसी भी तरह से देखें, भारी मतदान की संख्या जितना दिखाती हैं, उतना ही छिपाती भी हैं। भारतीय चुनावों में, अक्सर भारी मतदान के पीछे जो होता है, वही तय करता है कि आखिर में कौन राज करेगा।

ट्रंप ने कहा भारत को नरक मगर मोदी को चुनाव से फुरसत नहीं!

शकील अख्तर

कभी कांग्रेस का केन्द्र सहित सभी राज्यों में राज था। कांग्रेसी कोई छोटा मोटा संस्थान भी छोड़ना

नहीं चाहते थे। इन्दिरा गांधी से कहा गया कि यह जेएनयू का छात्रसंघ हमारे पास नहीं है। इन्दिराजी ने जवाब दिया कि कुछ विपक्ष के लिए भी छोड़ना चाहिए। कमलापति त्रिपाठी ने बनारस में अपने खिलाफ चुनाव लड़ने वाले राजनारायण को चुनाव खर्चे के लिए पैसे दिए। 1980 के लोकसभा चुनाव की बात है। कई उदाहरण हैं और इनकी शुरूआत खुद नेहरू से होती है। नेहरू के सबसे बड़े आलोचक लोहिया जो एक तरफ कहते थे कि अगर मुझे कु छ हो गया तो मेरी सबसे अच्छी देखभाल नेहरू के घर पर होगी और दूसरी तरफ वे नेहरू पर व्यक्तिगत आरोप भी लगाते थे। ऐसे हवा हवाई आरोप जैसे आजकल प्रध ाानमंत्री मोदी लगाते हैं कि कांग्रेस के पास बोरों में भर–भर कर पैसा जाता है, 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड! ऐसे ही उन दिनों 25 हजार रुपए बहुत होते थे। तो लोहिया ने आरोप लगाया कि नेहरू का व्यक्तिगत खर्च 25 हजार रोज है। और नेहरू ने इतने ही रुपए 25 हजार लोहिया के चुनाव खर्चे के लिए पहुंचाए। साथ में एक जीप और लोहिया चुनाव किस के खिलाफ लड़ रहे थे? खुद नेहरू के। 1962 का लोकसभा चुनाव। फुलपुर से। नेहरू को जीतना ही था। लेकिन उन्होंने कहा कि लोहिया को लोकसभा में होना चाहिए। ऐसा ही वाजपेयी के लिए भी कहते थे। नेहरू से लेकर इन्दिरा, राजीव गांधी तक सब विपक्ष के नेता और विपक्ष की जगह का महत्व जानते थे और उसे बनाए रखने में मदद करते थे। नेहरू ने 1962 की लोहिया की हार के बाद 1963 में उनको फर्रूखाबाद के उपचुनाव में जिताने में मदद भी की थी। राजीव गांधी का जिक्र किया तो यह इतनी बड़ी बात खुद राजीव ने कभी नहीं बताई वाजपेयी ने ही बताई थी कि जब राजीव गांधी को उनके हार्ट की गंभीर समस्या का मालूम पड़ा तो एक प्रतिनिधिमंडल का अध्यक्ष बनाकर अमेरिका भेजा और वहां इलाज की सारी व्यवस्था की। राजीव की हत्या के बाद वाजपेयी ने जब यह बात बताई तो सबको मालूम पड़ा। मगर आज क्या हो रहा है? मोदी अमित शाह हर चुनाव जीतना चाहते हैं। किसी भी कीमत पर। बंगाल में सारी ताकत लगा दी है। चुनाव आयोग मीडिया बाकी संस्थाएं सब साथ हैं। बड़ी तादाद में केन्द्रीय सुरक्षा बल लेकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो हफ्ते से बंगाल में डेरा जमाए बैठे हैं। बताया जा रहा है कि अभी 27 अप्रैल सोमवार जब दूसरे दौर के चुनाव प्रचार खतम नहीं हो जाता वे वहीं रहेंगे। इससे पहले कभी किसी राज्य के चुनाव में गृहमंत्री सारे काम छोड़कर एक राज्य में रहे ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। बाकी सब काम और समस्याएं तो एक तरफ हैं। मगर सीमवर्ती राज्य मणिपुर में तो बुरी तरह हिंसा की आग धध ाक रही है। मगर न प्रधानमंत्री न गृह मंत्री किसी को मणिपुर की चिंता है। और बंगाल में केन्द्रीय सुरक्षा बल कितने हैं? करीब ढाई लाख से ज्यादा जवान। बंगाल पुलिस को एकदम किनारे कर दिया गया है। खुद गृह मंत्री अमित शाह एक वीडियो में कहते हुए सुने जा रहे हैं ऐ बंगाल पुलिस हट जाओ! कल को कोई नेता किसी दूसरे राज्य की पुलिस के लिए भी ऐसा ही कहेगा। और कोई राज्य का नेता केन्द्रीय सुरक्षा बल से भी कह सकता है। कैसा ट्रेंड सेट कर रहे हैं देश के गृहमंत्री? और चुनाव आयोग क्या कर रहा है? वह राज्य की पुलिस के अपमान, गृह मंत्री, प्रधानमंत्री, यूपी के मुख्यमंत्री के बार–बार टीएमसी के गुंडे कहने से लेकर दीदी के गुंडे कहने पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा लेकिन बाइक पर आने जाने पर रोक लगा रहा है। देश में खासतौर से गांवों में आने–जाने का सबसे मुख्य साधन क्या है? दोपहिया वाहन। उनके चलाने पर रोक लगा दी। मगर जब ज्यादा विरोध हुआ तो पीछे किसी को बिठाने पर रोक लगा दी। गांव का बाइक का हिसाब–किताब समझते हैं ये? एक आदमी बाइक पर जाता है तो महंगा पड़ता है। दो में किफायती और तीन में सस्ता। इस तरह हिसाब–किताब लगाकर गांव कस्बों में लोग अपना काम चलाते हैं। बड़े शहरों में सरकार कहती है गाड़ी पूल करो। मगर कोई नहीं मानता। लेकिन गांव, कस्बों में बिना किसी के कहे अपने आर्थिक हालात को देखकर लोग बाइक पूल करते हैं। पता नहीं कितना तो सामान इस पर आता–जाता है। मगर चुनाव आयोग कुछ नहीं देख रहा। पोलिंग के 48 घंटे पहले शराब की दुकानें बंद होती हैं। मगर बंगाल में 96 घंटे की शराबबंदी कर दी गई है। मतलब वह सब काम किए जा रहे हैं जो कभी नहीं हुए। हर हाल में चुनाव जीतना है। जिताना है। लेकिन क्या यह जिद, सत्ता की भूख बंगाल तक ही है? अभी तो कई राज्य ऐसे हैं जहां भाजपा का कोई अता पता नहीं है! जैसे बंगाल के मिजाज से भाजपा का मेल नहीं खाता है। वैसे ही इन पांच राज्यों में जहां बंगाल के साथ चुनाव हो रहे हैं केरल और तमिलनाडु में भी भाजपा कहीं नहीं है। क्या अब ऐसा ही हर हाल में चुनाव जीतो अभियान उन सब जगह होगा जहां बीजेपी नहीं है? ऐसे सारे राज्य सीमावर्ती हैं। लेकिन स्थिति की इस नजाकत को क्या बीजेपी समझती है? अब तो यह साफ हो गया है कि बीजेपी को चुनाव जीतने के अलावा और कोई काम नहीं है। और बीजेपी नहीं बीजेपी की केन्द्रीय सरकार को। देश की विदेश की किसी बात से कोई मतलब नहीं।

सीमा वर्णिका की कलम से

प्रारब्ध का भोग

राघव जी बहुत पहुँचे हुए ज्योतिषी व त्रिकालदर्शी प्रकांड पंडित थे। गुप्ता जी का हाथ देख कर शनि की साढ़ेसाती ,राहु – केतु की बिगड़ी चाल समझा रहे थे।

गुप्ता जी मेरी मानो तो एक हवन करा लो।अनिष्ट टल जाएगा। आप अपने यजमान हो इसलिए कह रहा हूँ, राघव जी बोले।

पंडित जी मेरा हाथ भी देखिए, मिसेज गुप्ता कहते हुए सामने बैठ गई।

दरवाजे की ओट से सन्नो सब देख सुन रही थी। वह भी कुछ पूछना चाह रही थी ,पर हिम्मत नहीं कर पा रही थी।

अरे !तू वहाँ से क्या झाँक रही है। आजा.. तू भी पूछ ले पंडित जी से, गुप्ता जी ने हँसते हुए कहा।

सन्नो जल्दी से पल्लू से हाथ पोंछती हुई पंडित जी के सामने जमीन पर बैठ गई।

पंडित जी मेरा हाथ देख लो.. बताओ.. क्या जीवन चौका बर्तन करते कटेगा.. बड़ी तंगी चल रही है, हाथ बढ़ाते हुए सन्नो बोली।

ला दिखा हाथ, पंडित जी बोले।

तेरा हाथ बता रहा कि तू पिछले जन्म के प्रारब्ध भोग रही है, पंडित जी गंभीर मुद्रा में बोल रहे थे।

तुम पति पत्नी ने ऐश्वर्य भोग विलास की लालसा में खूब कर्ज़ लेकर अपने काम पूरे किए और कभी कर्ज चुकाने की नहीं सोचा। इस जन्म में हाथ पैर रगड़ कर वही कर्ज अदा कर रहे हो। जब सारा कर्ज अदा हो जाएगा तब तुम्हारा जीवन सुधर जाएगा, पंडित जी बोल रहे थे।

वहाँ बैठे सभी लोग मन ही मन अपने खाते खंगाल रहे थे।

सीमा वर्णिका,
कानपुर

चिट्टे के खिलाफ महिलाएं

आमतौर पर नशाखोरी के खिलाफ जब किसी गांव को 'रेड जोन' घोषित किया जाता है, तो यह आधिकारिक तौर पर एक सामाजिक चेतावनी होती है। लेकिन शिमला के कुछ हिस्सों में घोषित यह चेतावनी पुलिस या प्रशासन द्वारा नहीं, बल्कि उन महिलाओं द्वारा जारी की गई है जो परिवारों व समाज को नशे के नासूर से बचाना चाहती हैं। पति हो या बेटा, नशे की हर त्रासदी का त्रास महिलाएं ही भुगतती हैं। वह चाहे किसी अपने को असमय खोना हो या आर्थिक रूप से परिवारिक क्षति हो। यही वजह है कि नशे के खिलाफ अभियान को जमीनी हकीकत बनाने के मकसद से माताएं, बहनें और पत्नियां घर की चौखट से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से मुखर हुई हैं। महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतर्कता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में पहल की जा रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी पारिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं। उनके व्यक्तिगत अनुभवों के फलस्वरूप वे आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले ही नशे की लत में जकड़े लोगों को पहचानने का प्रयास करती हैं। निस्संदेह, जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे इस अभियान के सार्थक परिणाम आने की उम्मीद जगी है। निर्विवाद रूप से पुलिस व प्रशासन की छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति पर किसी हद तक अंकुश लगा सकती हैं, लेकिन टूट–बिखर रहे घरों को नहीं बचाया जा सकता। निस्संदेह, नशाखोरी के कई सामाजिक आयाम भी हैं, जिसे सामाजिक स्तर पर पहल करके रोका जा सकता है। रचनात्मक पहल से ही उन कारकों को संबोधित किया जा सकता है जो नशीले पदार्थों को बढ़ावा देते हैं। वाकई सामुदायिक स्तर पर सतर्कता बेहद जरूरी है और महिलाएं इसका नेतृत्व करने में सक्षम भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। सही मायनों में हिमाचल सरकार की 'चिट्टा विरोधी पदयात्रा' और 'महिला मंडलों' की सार्थक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस रचनात्मक पहल को संस्थागत स्तर भी समर्थन देने की जरूरत है क्योंकि नशे के कारोबार में संगठित गिरोह भी गहरे तक जुड़े रहते हैं। ऐसे में मादक पदार्थों के तस्करों का सामना करने वाली महिलाओं को अपराधियों की ध ामकी आदि जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। जिसके लिये सक्रिय पुलिसिंग, गवाहों को सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुनर्वास सुविधाएं और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी होगी। सेवाभाव के लिये प्रसिद्ध पंजाब के लोगों को भी इस रचनात्मक पहल का अनुकरण करना चाहिए। वाकई पंजाब में नशे की चुनौती खासी बड़ी है। युवाओं को नशे की दलदल से बचाने के लिये एक बड़ी पहल की जरूरत महसूस की जा रही है।

फिर फुंसुक वांगडू बनेंगे आमिर `3 इडियट्स' के सीक्वल पर चल रहा काम

जल्द ही आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म 'एक दिन' रिलीज होने वाली है। फिल्म को आमिर खान प्रोडक्शन ही प्रोड्यूस रहा है। हाल ही में आमिर खान ने अमर उजाला डिजिटल से फिल्म 'एक दिन' को लेकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्म '3 इडियट्स' को लेकर भी बड़ा अपडेट दिया है।

आमिर खान से इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि वह दादा साहेब फाल्के पर फिल्म कर रहे हैं, यह फिल्म कहां पर पहुंची है। इसी सवाल के जवाब में वह अपनी फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल का जिक्र करते हैं। आमिर खान कहते हैं, 'दादासाहेब फाल्के की कहानी बहुत ही इंस्पिरेशनल है। इस पर राजकुमार हिरानी काम कर रहे थे। राजू ने फिल्म के 3 ड्राफ्ट बनाए, लेकिन अभी तक वो उस स्क्रिप्ट से खुश नहीं हैं, तो उन्होंने उसे अभी कुछ वक्त के लिए होल्ड पर रख दिया है। शायद बाद में उस पर दोबारा काम करेंगे। लेकिन इस वक्त राजकुमार हिरानी '3 इडियट्स' के दूसरे पार्ट पर काम कर रहे हैं। इसकी कहानी मैंने सुनी है। यह बहुत अच्छी लिखी गई है। इस वक्त उसी स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। आमिर खान आगे कहते हैं, 'हमारे किरदार आपने '3 इडियट्स' में देखे थे। इस बार भी उनकी ही कहानी है लेकिन स्टोरीलाइन 10 साल बाद की है। राजकुमार हिरानी और अभिजात ने कहानी को बहुत अच्छे से कंसीव किया है। तो एक बार फिर मुझे फुंसुक वांगडू के अपने किरदार में उतरना पड़ेगा।'

फिल्म 3 इडियट्स में आमिर खान ने फुंसुक वांगडू का रोल किया था, वहीं आर माधवन ने फरहान का किरदार निभाया था। इनके अलावा फिल्म में शरमन जोशी ने राजू का रोल किया। फिल्म में बोमन ईरानी, करीना कपूर, मोना सिंह, जावेद जाफरी जैसे कई कलाकार भी नजर आए। आमिर खान प्रोडक्शन की फिल्म 'एक दिन' में जुनैद खान लीड रोल में हैं, इसमें उनके अपोजिट साई पल्लवी हैं। यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है। 1 मई 2026 को यह सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

> “
> विजय से हटकर रश्मिका की मेहंदी ड्रेस की बात करें तो उनके दुपट्टे में मां लक्ष्मी का चित्र बना है। भारतीय परिवारों में नई दुल्हन को मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है। मां लक्ष्मी का आशीर्वाद रश्मिका को मिले, इसलिए डिजाइनर ने सुंदर चित्र उनके दुपट्टे पर बनाया है।

सतिंदर सरताज ने बताया कैसे 15 मिनट में तैयार किया 'धुरंधर 2' का 'जाइये सजना' गाना, जल्द आएगा एक्सटेंडेड वर्जन

'धुरंधर द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर अभी भी बनी हुई है। फिल्म का संगीत भी काफी पसंद किया गया। जिस गाने की सबसे ज्यादा चर्चा हुई वो है 'जाइये सजना', जिसे जैस्मीन सैंडलस और सतिंदर सरताज ने गाया है। अब सतिंदर सरताज और टी–सीरीज के मुखिया भूषण कुमार ने बताया कि कैसे 20 मिनट से भी कम समय में ये गाना बनकर तैयार हुआ। 'जाइये सजना' में सतिंदर सरताज की गाई हुई लाइनें सबसे ज्यादा मशहूर हो रही हैं। इस गाने को लेकर भूषण कुमार ने कहा कि मैंने पहली बार गाना लॉन्च के दौरान सुना था। जब सतिंदर सरताज की आवाज आती है, तो उसमें जो आध्यात्मिकता है, वह बहुत प्रभावशाली है। आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि गाने में यह धुन कहीं और इस्तेमाल हो सकती है। गाने में सरताज के हिस्से की लोकप्रियता को देखते हुए भूषण कुमार ने घोषणा की कि लेबल इस गाने का एक्सटेंडेड वर्जन जारी कर रहा है। फिल्म रिलीज होने के बाद जिस तरह से यह गाना वायरल हुआ, वह एल्बम का नंबर एक गाना बन गया। लोग हर जगह इसकी मांग कर रहे हैं। इसलिए हमने फैसला किया कि हमें दर्शकों को इसका एक्सटेंडेड वर्जन देना चाहिए। सतिंदर सरताज ने गाने के बारे में बात करते हुए कहा कि धुरंधर टीम से 15 मार्च को फोन आया। उस दोपहर मेरा लुधियाना में एक शो था। किसी ने फोन करके कहा कि एक बड़ी फिल्म में एक लाइन है, जिसे वे मुझसे करवाना चाहते हैं। सच कहूं तो मैंने पहले ज्यादा ध्यान नहीं दिया। कॉल शुरू होने के पांच मिनट के भीतर ही मुझे पता चला कि शाश्वत सचदेव भी कॉल पर हैं। मैंने उनसे कहा, 'मुझे इन सब चीजों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। मैं ज्यादा कुछ नहीं जानता। मैं बस लिखता हूं, संगीत बनाता हूं, गाता हूं।' उन्होंने मुझसे कहा कि फिल्म विदेशों में रिलीज हो रही है, इसलिए प्रिंट कुछ ही घंटों में भेजना होगा। मैंने कहा ठीक है, कोशिश करते हैं। लगभग 15 मिनट में मैंने ट्रैक सुना, लाइन लिखी, संगीत बनाया, गाया और भेज दिया। मैंने अपना स्टूडियो बंद किया और अपने कॉन्सर्ट के लिए चला गया। बस इतना ही था। बाद में मुझे संदेश, लंबे वॉइस नोट्स, प्रतिक्रियाएं मिलने लगीं, लोग कह रहे थे कि उन्हें यह गाना बहुत पसंद आया। हालांकि, पहले सरताज की लाइन असल गाने का हिस्सा नहीं थी, लेकिन बाद में उनके गाने के बाद इसे जोड़ा गया। सरताज ने कहा कि मैंने इस गाने को बिना किसी दबाव के गाया। मैंने यह नहीं सोचा कि यह वायरल होगा या नहीं। मेरे लिए यह बस किसी के प्यार से पूछने जैसा था, एक पल है और मुझे ईमानदारी से जवाब देना चाहिए।

हाई हील पहनकर `लाल परी' बने अक्षय कुमार, देखकर हैरान रह गईं जैकलीन–भूमि, फराह खान ने किया सलाम

अक्षय कुमार के होस्ट वाला गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' अब खत्म हो चुका है। शो का फिनाले एपिसोड भी प्रसारित हो चुका है। फिनाले एपिसोड में फराह खान, भूमि पेडनेकर और जैकलीन फर्नांडीज गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। इस दौरान गेम के साथ–साथ तीनों ने अक्षय के साथ मिलकर जमकर मस्ती भी की। इस एपिसोड का एक वीडियो अब सामने आया है, जिसमें अक्षय हील्स पहनकर 'लाल परी' गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। फिनाले एपिसोड के दौरान जैकलीन ने अक्षय द्वारा किए गए प्रैंक्स का बदला लेने के लिए एक चुनौती रखी। उन्होंने अक्षय को ऊंची एड़ी वाली हील्स पहनकर एक मिनट तक नाचने के लिए कहा। जैकलीन ने यह भी कहा कि अगर अक्षय बीच में ही रुक गए, तो उन्हें उनके खाते में 1 लाख रुपये जमा करने होंगे।

पहले तो अक्षय हिचकिचाए और बोले, 'पागल है क्या मैं पहनूं? मोच वोच आ जाएगी। मैंने कभी ऐसा नहीं किया, मुझे बहुत डर लगता है।' लेकिन फराह ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और आखिरकार जैकलीन की मदद से उन्होंने हील्स पहन लीं। इसके बाद अक्षय ने हाउसफुल 5 के गाने लाल परी पर लाल हील्स पहनकर डांस किया और उन्हें हील्स में घूमते हुए भी देखा गया। बाद में फराह और भूमि भी उनके साथ शामिल हो गईं।

इसके बाद फराह ने अक्षय कुमार से कुछ डांस स्टेप्स करने को कहा, जिन्हें उन्होंने आसानी से कर दिखाया। एक मिनट का चौलेंज पूरा करने के बाद फराह उन्हें प्रणाम करती और ताली बजाती नजर आईं, जो साफ तौर पर उनकी तारीफों से भरी थीं। हील्स आखिरकार टूट गईं और अक्षय ने कहा, 'सारी औरतों को सलाम है, कैसे पहनते हो आप लोग।' अक्षय का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

वर्कफ्रंट की बात करें अक्षय कुमार की हालिया रिलीज 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा भी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर पार कर चुकी है। अक्षय की आगामी फिल्म श्वेलकम टू द जंगलश है। ये इस साल 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रीति जिंटा ने पेड पीआर पर कसा तंज, 18 करोड़ के लोन वाली खबर पर दी सफाई, बोलीं– 'मनगढ़ंत खबरें फैलने लगी'

प्रीति जिंटा बॉलीवुड में बहुत कम नजर आती हैं, आईपीएल मैच के दौरान ही वह स्टेडियम में या फिर अपनी टीम पंजाब किंग्स के साथ दिखाई देती हैं। हाल ही में आईपीएल मैच के थोड़ी फुर्सत निकालकर प्रीति जिंटा ने अपने फैंस के कुछ सवालों के जवाब ट्विटर पर दिए। इन्हीं सवालों के बीच उन्होंने पेड पीआर को लेकर काफी कुछ कहा। एक फैन ने प्रीति जिंटा से पूछा, 'जब आप लोगों से सीधे बात करती हैं तो बिना किसी पीआर टीम की मदद के फैंस से गहरा जुड़ाव बनाती हैं। इस सवाल के जवाब में प्रीति लिखती हैं, 'मुझे ठीक से नहीं पता कि इस सवाल का जवाब कैसे दूं? लेकिन सोशल मीडिया ने पूरा खेल ही बदल दिया है। इसके जरिए मुझे लोगों से सीधे जुड़ने का मौका मिलता है। मुझे पेड पीआर खरीदने का ज्यादा शौक नहीं है। इस तरह का ऑर्गेनिक जुड़ाव मेरे लिए एक बहुत बड़ी बात है।'

वह आगे जवाब में लिखती हैं, 'इसका दूसरा पहलू यह है कि अब हर वो इंसान जिसके पास फोन और कैमरा है, वह पैपराजी बन सकता है। एक तरफ तो आपकी लगातार तस्वीरें खींची जा रही होती हैं और दूसरी तरफ लोग अब फॉलोअर्स, व्यूज और पेज पर लाइक्स खरीद सकते हैं (फिल्म इंडस्ट्री में भी बहुत से लोगों को ऐसा करते सुना है)। यह बहुत से लोगों के लिए बिजनेस बन गया है, लेकिन मैं इन्हें लेकर कोई राय नहीं बनाती हूं। बस यह मेरा तरीका नहीं है।' प्रीति जिंटा का मानना है कि सोशल मीडिया ने पॉजिटिविटी, नेगेटिविटी और कभी–कभी फेक न्यूज को भी एक बिल्कुल ही अलग लेवल पर पहुंचा दिया है। वह अपने ट्वीट में लिखती हैं, 'कुछ समय पहले मैं महाकुंभ मेले में गई थी। अचानक मेरे बारे में यह मनगढ़ंत खबरें फैलने लगीं कि मैंने 18 करोड़ का लोन लिया है, उसे चुकाया नहीं है, वगैरह–वगैरह। किसी ने इसके बारे में लिखा, दूसरे ने उस पोस्ट को कॉपी कर लिया और यह खबर जंगल की आग की तरह फैल गई। आज तक मैंने कितनी ही बार यह कहा है कि यह फेक न्यूज है, लेकिन लोग अब भी मुझसे इसके बारे में पूछते हैं और सोशल मीडिया पर राजनीतिक पार्टियों से मेरे जुड़ाव को लेकर ताने कसते हैं। इसलिए सोशल मीडिया का एक खतरा यह भी है कि इस पर फेक न्यूज तेजी से फैलती है, नेगेटिविटी पैदा होती है। इसके बारे में भविष्य में बहुत सावधान रहने की जरूरत है। चाहे कोई सेलिब्रेटी हो या न हो।' जल्द ही प्रीति जिंटा बड़े पर्दे पर भी नजर आएंगी। उन्होंने ही फैंस को बताया कि वह इस साल दो फिल्मों में नजर आएंगी। एक फिल्म में तो वह सनी देओल के साथ अभिनय कर रही हैं। सनी देओल के साथ उनकी फिल्म 13 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

नारियल की मलाई को ऐसे करें अपने ब्यूटी रूटीन में शामिल

गर्मी के दिनों में हम सभी अपनी नारियल पानी का सेवन अवश्य करते हैं। लेकिन अक्सर नारियल पीने के बाद हम उसकी मलाई को ऐसे ही फेंक देते हैं। जबकि इसकी मदद से आप अपनी स्किन और बालों दोनों का ख्याल रख सकते हैं। नारियल की मलाई ना केवल आपकी स्किन को मॉइश्चराइज करती है, बल्कि स्कैल्प को कंडीशन करने के साथ–साथ रूसी से भी निजात दिलाती है। इसकी मदद से बालों की ग्रोथ को भी बूस्ट अप किया जा सकता है। अगर आप चाहें तो नारियल की मलाई को फेंकने की जगह उसे कई अलग–अलग तरीकों से अपने ब्यूटी रूटीन में शामिल कर सकते हैं और ब्यूटीफुल स्किन व हेयर पा सकते हैं–

स्किन को करें मॉइश्चराइज

नारियल की मलाई से आप अपनी स्किन को आसानी से मॉइश्चराइज कर सकते हैं। इसके लिए आप नारियल की मलाई लें और उसे अच्छी तरह मैश करें। अब आप अपनी स्किन को क्लीन करके इस मलाई लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। कुछ मिनटों के लिए इसे लगा रहने दें, फिर इसे गर्म पानी से धो लें। आप चाहें तो नारियल की मलाई में थोड़ा सा गुलाब जल भी मिक्स कर सकते हैं।

बनाएं फेस मास्क

अपनी स्किन को पैम्पर करने के लिए आप नारियल की मलाई से एक फेस मास्क भी तैयार कर सकते हैं। इसके लिए नारियल की मलाई लें और उसमें थोड़ी मात्रा में शहद मिक्स करें। अपने फेस को क्लीन करके इस मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं। करीबन 10–15 मिनट बाद अपने चेहरे को पानी की मदद से वॉश कर दें।

बालों को करें कंडीशन

नारियल की मलाई ना केवल आपकी स्किन को मॉइश्चराइज करती है, बल्कि इससे बालों को कंडीशन करने में भी मदद मिलती है। इसके लिए आप नारियल की मलाई को अच्छी तरह मैश कर लें और फिर इसे अपने बालों में लगाएं। इसे लगाने के बाद आप अपने बालों की हल्के हाथों से मसाज करें। इसे 30 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर इसे शैम्पू और गर्म पानी से धो लें।

रूसी को कहें अलविदा

अगर आप रूसी से परेशान हैं तो ऐसे में नारियल की मलाई को बतौर स्कैल्प ट्रीटमेंट भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदों के साथ नारियल की मलाई मिक्स करें। अब आप इसे अपने स्कैल्प पर लगाएं और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में, शैम्पू और गर्म पानी से इसे धो लें।

कपड़ों पर गलती से चिपक गई है च्युइंग गम तो ऐसे करें उसे रिमूव

च्युइंग गम चबाना अधिकतर लोगों को अच्छा लगता है। लेकिन कई बार च्युइंग गम गलती से कपड़ों पर चिपक जाती हैं। ऐसे में हम चाहकर भी उसे अच्छी तरह से रिमूव नहीं कर पाते हैं। जिसके कारण कपड़े खराब हो जाते हैं और फिर उन्हें पहनने का मन ही नहीं करता है। हो सकता है कि आपके साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ हो। इस स्थिति में अधिकतर लोग अपने कपड़ों को ही रिटायर कर देते हैं। लेकिन अगर वह आउटफिट काफी महंगा हो या फिर आपका पसंदीदा हो, तो ऐसे में आपको काफी दुख होगा। हालांकि, अगर आप चाहें तो कुछ आसान उपायों को अपनाकर कपड़ों पर चिपके हुए च्युइंग गम को आसानी से रिमूव कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान तरीकों के बारे में बता रहे हैं–

आयरन की लें मदद

कपड़ों की जाने वाली आयरन च्युइंग गम को रिमूव करने में भी मददगार साबित हो सकती है। इसके लिए आप एक साफ कार्डबोर्ड लें और इसे अपने आयरन बोर्ड पर रखें। अपने च्युइंग गम के दाग वाले कपड़े को कार्डबोर्ड पर रखें। ध्यान रखें कि गम नीचे की ओर हो। अपने आयरन को मध्यम आंच पर सेट करें और कपड़े के उस एरिया को आयरन करें। च्युइंग गम के नरम होने तक प्रतीक्षा करें, और धीरे से अपने परिधान को कार्डबोर्ड से उठा लें। अपने कपड़ों को हमेशा की तरह धो लें।

टूथपेस्ट आएगा काम

च्युइंग गम को हटाने के लिए टूथपेस्ट की मदद भी ली जा सकती है। इसके लिए च्युइंग गम वाले हिस्से पर थोड़ी मात्रा में टूथपेस्ट लगाएं। फिर इसे फैलाएं और तब तक रगड़ें जब तक कि च्युइंग गम टूट न जाए। टूथब्रश के साथ बचे हुए टुकड़ों को हटा दें। आप इसे ठंडे पानी से रिंस करें। अंत में, कपड़ों को वॉश करें।

बर्फ से हटाएं च्युइंग गम

दो बायोडिग्रेडेबल बैग में कुछ बर्फ के टुकड़े डालें और उन्हें अपने कपड़े के च्युइंग गम के दाग वाले हिस्से के नीचे और ऊपर रखें। एक बार जब गम सख्त हो जाए, तो उसे खुरचने के लिए एक चम्मच का उपयोग करें। अंत में आप गम के अवशेषों को टूथब्रश से हटा दें। इसके बाद आप अपने कपड़े को वॉश कर लें।

हील्स पहनने पर पैरों में होता है दर्द और दो कदम चलना होता है मुश्किल, ये टिप्स बहुत आएंगे काम

आमतौर परआउटफिट के साथ ही बेस्ट फुटवियर सा सिलेक्शन महिलाओं की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करता है। ग्लैमरस और बोल्ड लुक पाने के लिए अधिकतर महिलाएं हील्स पहनना पसंद करती हैं। हांलाकि कई बार हील्स पहनने से महिलाओं के पैरों में दर्द शुरू हो जाता है। हांलाकि आउटफिट से मैचिंग हील्स महिलाओं के लुक को बेहतर बनाती हैं। लेकिन सभी महिलाओं को हील्स कैरी करने की आदत नहीं होती है। ऐसे में उनके चलने पर उनके पैरों में दर्द शुरू हो जाता है और पैरों में सूजन आ जाती है। ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हील्स पहनने के कुछ टिप्स देने जा रहे हैं। साथ ही इसकी मदद से आप पैरों के दर्द से भी छुटकारा मिल जाता है।

चेक करें पैरों का साइज

अमूमन सभी महिलाओं के पैरों का साइज अलग–अलग होता है। लेकिन हील्स के खरीदने के दौरान अधिकतर पैरों की लंबाई पर फोकस करती हैं और चौड़ाई को अनदेखा कर देती हैं। अगर आपके पैर लंबे हैं, तो आपको बंद टेप वाली हील्स नहीं कैरी करना चाहिए। आप वाइड फ्रंट क्लोज्ड और ओपेन टो वाली हील्स आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

बेस

कई महिलाएं अनकंफर्टेबल होने के बाद भी पतले–तलवे वाले हील्स कैरी करती हैं। जिससे पैरों में दर्द होने लगता है। इसलिए हाई हील्स का चुनाव करने के दौरान तलवे वाली हील्स पहनने से बचना चाहिए। वहीं लगातार कई घंटों तक हील्स पहनने के बजाय थोड़ी–थोड़ी देर पैरों को आराम देती रहें।

पेंसिल हील्स

हील्स पहनने के दौरान पैरों में दर्द होने लगता है। ऐसे में नुकीली और पतली हील्स पहनने से बचना चाहिए। ऐसी स्थिति से पैरों के दर्द से बचने के लिए चौड़े प्लेटफॉर्म वाली ब्लॉक हील्स को पहनने से बचना चाहिए।

जानिए हील्स पहनने के टिप्स

हील्स पहनने से पहले पैरों पर ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल करना चाहिए। इस तरीके से पैरों में कट लगने या दर्द होने के चांसेज कम हो जाएंगे। वहीं हील्स पहनने के दौरान पैरों की उंगलियों को टेप से आपस में चिपका दें। इससे पैरों की नसों में खिंचाव नहीं होगा। हील्स उतारने के बाद यदि आप पैरों को स्ट्रेच करती हैं, तब भी आपके पैरों में दर्द नहीं होगा।

आखिर क्यों जमा होती है आंतों में गंदगी? जानें राहत पाने के घरेलू उपाय

आज के समय में फास्ट फूड, पिज्जा, कोल्ड ड्रिंक जैसी चीजों का सेवन करने के कारण पेट की समस्याओं बढ़ सकती हैं। हर तीसरे शख्स को पेट से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खाना पचाने के लिए आंतों का स्वस्थ होना जरुरी है। इसके अलावा यदि आप शारीरिक तौर पर स्वस्थ रहना चाहते हैं तो पाचन को बेहतर रखने की कोशिश करें और अपनी गट हेल्थ का भी खास ध्यान रखें। आंतों में गंदगी जमा होने के कारण पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि आंतों में गंदगी क्यों जमा होती है और आप इसे कैसे साफ कर सकते हैं।

कारण

डिहाइड्रेशन

यदि आपके शरीर में पानी की कमी हो गई है तो आंतों में गंदगी जमा हो सकती है क्योंकि पानी की कमी के कारण पाचन क्रिया प्रभावित होती है जिसके कारण आंतों में गंदगी जम सकती है। इसके अलावा शरीर में पानी की कमी के कारण पाचन शक्ति कम होने लगती है जिसके कारण पाचन तंत्र से जुड़ी कई अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं।

अपच

पाचन तंत्र के कमजोर होने के कारण इनमें गंदगी जमा हो सकती है। यदि शरीर का पाचन तंत्र सही से काम नहीं करता तो आंत में गंदगी जमने लगती है। यदि आप जो खाते हैं वह सही तरीके से नहीं पचता तो यह भी आंत में गंदगी जमा होने का कारण बन सकता है।

शराब और धूम्रपान

इन दिनों बहुत से लोग शराब और धूम्रपान का सेवन कर रहे हैं। इन चीजों का ज्यादा सेवन भी आंतों को नुकसान पहुंचाता है जिसके कारण इनमें गंदगी जमा होने लगती है।

कैसे करें साफ ?

हल्दी और शहद का सेवन

आंतों में मौजूद गंदगी साफ करने के लिए आप हल्दी और शहद का सेवन कर सकते हैं। हल्दी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटीवायरल गुण आंतों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा शहद पाचन तंत्र को सुधारता है जिससे पेट संबंधी समस्याएं कम होने लगती हैं।

हर्बल चाय पिएं

हर्बल चाय का सेवन करने से भी आंतों में जमी गंदगी बाहर निकलेगी। पुदीना, तुलसी, अदरक और सौंफ से बनी चाय आपकी आंतों को स्वस्थ बनाने में मदद करेगी। इसमें पाए जाने वाले नैचुरल तत्व पाचन को बेहतर बनाने और आंत की सफाई करने में मदद करते हैं।

त्रिफला

यह आयुर्वेद औषधि भी आपकी आंतों को साफ करने और इसे स्वस्थ रखने में मदद करेगी। त्रिफला में आंवला, हरड़ और बेहड़ा जैसे तत्व पाए जाते हैं जो पाचन के सुधारने में मदद करते हैं। इसका सेवन करने से कब्ज, अपच जैसी समस्याएं दूर होती हैं। एक्सपर्ट्स की सलाह पर रोजाना सीमित मात्रा में त्रिफला का सेवन करके आंतों को आप स्वस्थ रख सकते हैं।

गर्म पानी के साथ नींबू

गुनगुने पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से भी आंतों की सफाई की जा सकती है। रोज सुबह इस मिश्रण का सेवन करें। नींबू के रस में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो आंतों की इंफेक्शन भी दूर करते हैं और पाचन तंत्र को सुधारते हैं।

हेयर्स की ग्रोथ में मददगार हो सकती हैं ये 5 एक्सरसाइज

फिट रहने के लिए हेल्दी डाइट के साथ–साथ एक्सरसाइज और योग भी काफी जरुरी है। नियमित एक्सरसाइज करने से कई बीमारियां भी दूर होती है। आजकल तनाव और खराब लाइफस्टाइल के चलते ज्यादातर लोगों में बालों से जुड़ी समस्याएं होती है। अगर आपके भी काफी बाल झड रहे हैं तो आप इन एक्सरसाइज के जरिए बालों के ग्रोथ को बढ़ा सकते हैं।

सिर की मालिश

अगर आप नियमित रुप से सिर की मालिश करते हैं तो बालों के रोमों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, पोषक तत्व में बढ़ावा मिलता है और हेयर्स की ग्रोथ भी होती है। रोजाना कुछ मिनट तक गोलाकार गति में मालिश करने के लिए अपनी उंगलियों का उपयोग करें।

उल्टा आसन

नीचे की ओर डाउन होकर या हेडस्टैंड जैसे योग आसन का अभ्यास करने से मस्तिष्क में परिसंचरण में सुधार हो सकता है, जिससे बालों के विकास को बढ़ावा मिलता है। इस आसन के करने से बालों के रोमों में पोषक तत्वों से भरपूर रक्त लाने में मदद करता है। जिससे बालों को स्वस्थ और तेजी से बढ़ने मदद मिलती है।

कार्डियोवैस्कुलर वर्कआउट

दौड़ना, साइकिल चलना या तैराकी जैसे कार्डियोवैस्कुलर वर्कआउट करने से मस्तिष्क में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। जो बालों के ग्रोथ का बढ़ाता है और स्कैल्प को हेल्दी रखता है। बेहतर परिसंचरण बालों के रोमों तक पोषक तत्वों और ऑक्सीजन की बेहतर डिलीवरी सुनिश्चित करता है, जिससे बालों के विकास में सहायता मिलती है।

स्कैल्प एक्सरसाइज

स्कैल्प को उभारने से आप स्कैल्प एक्सरसाइज कर सकते हैं। जैसे स्कैल्प टैपिंग या धीरे से खींचना। ये गतिविधियां मस्तिष्क को ढीला करती है, ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करती हैं और घने काले मजबूत बालों के विकास को प्रोत्सहित करने में मदद करती है।

गहरी सांस लेने की एक्सरसाइज

तनाव बालों को विकास में बाधा बन सकता है, इसलिए ध्यान या योग जैसे गहरी सांस लेने में व्यायाम का अभ्यास तनाव के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। कम तनाव का मतलब है स्वस्थ बालों का विकास, क्योंकि तनाव हार्मोन बालों के विकास चक्र पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

सपनों से ईमानदार रहो, दुनिया खुद रास्ता देगी-कोहली

नई दिल्ली,एजेंसी। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली मैदान पर जितने आक्रामक नजर आते हैं, उतने ही गंभीर और प्रेरणादायक वह मैदान के बाहर भी हैं। आईपीएल 2026 के व्यस्त कार्यक्रम के बीच विराट ने दिल्ली में छात्रों के बीच पहुंचकर ऐसा संदेश दिया, जिसे सुनकर हर युवा प्रेरित हो सकता है। अपने बचपन के कोच राजकुमार शर्मा की अकादमी की नई शाखा के उद्घाटन के बाद कोहली ने छात्रों से बातचीत की और उन्हें जिंदगी में सही दिशा चुनने की सलाह दी। विराट ने शुरुआत में मजाकिया अंदाज में कहा कि स्कूल में भाषण देना उनके लिए आसान नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे स्कूलों में बोलने की आदत नहीं है, इसलिए यह मेरे लिए थोड़ा अजीब होगा, क्योंकि मैं क्रिकेट के लिए काफी पहले स्कूल माहौल से दूर हो गया था। कोहली ने छात्रों को समझाया कि स्कूल सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं होता, बल्कि इंसान को बेहतर बनाने की जगह है। उन्होंने कहा, मैं स्कूल के माहौल को समझता हूं। मैं भी उसी दौर से गुजरा हूं, जिससे आप सभी गुजर रहे हैं। स्कूल वह जगह है जहां आप सीखने आते हैं, बढ़ने आते हैं और बेहतर इंसान बनते हैं।

विराट ने बच्चों से कहा कि शिक्षक अपना समय और जीवन का हिस्सा छात्रों को देते हैं, इसलिए उनका सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, श्इस माहौल का सम्मान कीजिए। अपने शिक्षकों का सम्मान कीजिए। वे अपनी जिंदगी का हिस्सा आपको दे रहे हैं। उन्हें वह सम्मान, फोकस और ध्यान देना बहुत जरूरी है जिसकी जरूरत है। कोहली ने अपनी क्रिकेट यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने बहुत जल्दी तय कर लिया था कि उन्हें क्रिकेटर बनना है। उन्होंने कहा, मैंने बहुत जल्दी खेल को चुना था और यह फैसला पूरी ईमानदारी से लिया था। मुझे यकीन था कि मुझे क्रिकेट को ही आगे बढ़ाना है। उन्होंने आगे छात्रों से कहा, श्अपने सपनों के प्रति ईमानदार रहो। जो करना चाहते हो, उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ करो। सिर्फ तुम जानते हो कि तुम 100 प्रतिशत ईमानदार हो या नहीं। कोहली ने बताया कि यह अकादमी उनके जीवन का खास हिस्सा है। उन्होंने कहा, मैंने आठ साल की उम्र में यहां अभ्यास शुरू किया था। आज भी समय मिलने पर यहां आता हूं। यह मेरे बचपन का बड़ा हिस्सा है। मुझे उम्मीद है कि यहां क्रिकेट सीखने आने वाले सभी बच्चे इसकी अहमियत समझेंगे, अकादमी से कुछ सीखेंगे। मैं आशा करता हूं कि यह स्कूल और यहां के क्रिकेट सेटअप के लिए शानदार साबित होगा। मैं सभी को दिल से शुभकामनाएं देता हूं। विराट कोहली ने एक बार फिर साबित किया कि वह सिर्फ महान बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि युवाओं के लिए रोल मॉडल भी हैं। उनका संदेश साफ है– अगर सपना बड़ा है, तो ईमानदारी और मेहनत भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए।

श्रीकांत ने मुख्य कोच पर साधा निशाना, फ्लेमिंग पर की गई टिप्पणी याद दिलाई

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल 2026 का सीजन अच्छा नहीं चल रहा है। दिल्ली को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ बड़ी हार का सामना करना पड़ा था जिसके बाद मुख्य कोच हेमांग बदानी निशाने पर आ गए हैं। पिछले साल एक पॉडकास्ट में हेमांग ने कुछ टिप्पणी की थी जिसे लेकर कृष्णमचारी श्रीकांत ने बदानी को घेरा है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीकांत ने बदानी की कड़ी आलोचना की है। श्रीकांत का निशाना सिर्फ स्कोरबोर्ड पर ही नहीं था, बल्कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कोच स्टीफन फ्लेमिंग की कोचिंग योग्यता को लेकर बदानी के कथित अहंकार पर भी था। इस विवाद की जड़ बदानी द्वारा पूर्व क्रिकेटर यो महेश के साथ एक साक्षात्कार के दौरान की गई टिप्पणियों में निहित है। उस समय बदानी ने सवाल उठाया था कि क्या फ्लेमिंग वास्तव में एक महान कोच हैं? उनका कहना था कि उन्होंने सीएसके के कोच के तौर पर जो सफलता हासिल की वो उन्हें धोनी के कारण मिली।

बदानी ने सीएस20, द हंड्रेड और बिग बैश लीग में फ्लेमिंग के कार्यकाल पर टिप्पणी करते हुए कहा था, अगर फ्लेमिंग इतने बड़े कोच हैं तो उन्होंने आईपीएल के अलावा कहीं और जीत क्यों नहीं हासिल की? सीएसके धोनी की वजह से जीतती रही है। धोनी ही टीम के मुख्य खिलाड़ी हैं। अगर कोई कहे कि फ्लेमिंग अच्छे कोच हैं, तो मैं इससे सहमत नहीं हूं।

दिल्ली कैपिटल्स इस समय आठ मैचों में सिर्फ तीन जीत के साथ सातवें स्थान पर है। ऐसे में श्रीकांत ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बदानी को उनकी पुरानी टिप्पणियों की याद दिलाते हुए श्रीकांत ने सुझाव दिया कि दिल्ली के कोच को दूसरों की आलोचना करने से पहले अपनी डूबती हुई टीम पर ध्यान देना चाहिए। श्रीकांत ने कहा, हेमांग बदानी ने स्टीफन फ्लेमिंग पर भी निशाना साधा था। हेमांग, दूसरों के बारे में बोलने से पहले अपना ख्याल रखो। मैंने हमेशा यही कहा है कि जिंदगी में ज्यादा मत बोलो। वह बहुत ज्यादा बोलता था। अब उसे चुप रहकर सब कुछ देखना होगा। श्रीकांत ने बदानी की सामरिक कुशलता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, हर कोई इस मुद्दे को उठा रहा है और उसकी आलोचना कर रहा है। दूसरों के बारे में क्यों बात कर रहे हो? तुम्हें अपने काम पर ध्यान देना चाहिए था। तुम कौन होते हो यह कहने वाले कि स्टीफन फ्लेमिंग सिर्फ धोनी की वजह से जीते? तुमने क्या किया है? कुछ खास? कुछ नहीं। आरसीबी ने सोमवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली को नौ विकेट से हराया। दिल्ली की बल्लेबाजी इस मैच में बेहद खराब रही और टीम महज 75 रन पर ही ऑलआउट हो गई। जवाब में आरसीबी ने 6.3 ओवर में एक विकेट खोकर 77 रन बनाए और मुकाबला जीत लिया। दिल्ली ने आरसीबी के खिलाफ आईपीएल मे तीसरा न्यूनतम स्कोर बनाया।

संक्षिप्त

80 दरियाई घोड़ों को मारने का फैसला रोकें, वनतारा में पुनर्वास का प्रस्ताव

नई दिल्ली,एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के कार्यकारी निदेशक और श्वनताराश के संस्थापक अनंत मुकेश अंबानी ने कोलंबिया सरकार से एक महत्वपूर्ण मानवीय अपील की है। उन्होंने कोलंबिया से 80 दरियाई घोड़ों को मारने की योजना को तत्काल स्थगित करने का आग्रह किया है। इसके बजाय, अंबानी ने इन जानवरों को गुजरात के जामनगर स्थित अपने विशाल वन्यजीव बचाव और संरक्षण केंद्र, श्वनताराश में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव दिया है और इस पूरे अभियान का वित्तपोषण और निष्पादन करने की पेशकश की है। यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब कोलंबियाई अधिकारियों ने हाल ही में मैग्डेलेना नदी बेसिन से 80 दरियाई घोड़ों को घातक रूप से हटाने की अनुमति दी है। 1980 के दशक में वहां लाए गए इन जानवरों की आबादी तेजी से बढ़ी है। अब इन्हें स्थानीय जैव विविधता और समुदायों के लिए जोखिम पैदा करने वाली आक्रामक प्रजाति के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसके चलते यह कठोर निर्णय लिया गया था। कोलंबिया की पर्यावरण मंत्री आइरीन वेलेज टोरेस को लिखे एक पत्र में, अनंत अंबानी ने एक वैज्ञानिक नेतृत्व वाले स्थानांतरण का प्रस्ताव रखा है। दुनिया के सबसे बड़े वन्यजीव बचाव, देखभाल और संरक्षण केंद्रों में से एक, वनतारा द्वारा जारी एक प्रेस बयान के अनुसार, अंबानी ने औपचारिक रूप से कोलंबिया सरकार से उस निर्णय पर रोक लगाने और एक मानवीय विकल्प पर विचार करने के लिए कहा है।

प्रस्ताव के तहत, इन 80 जानवरों को जामनगर, गुजरात में वनतारा में एक स्थायी घर लाया जाएगा। अंबानी ने आश्वासन दिया है कि वनतारा इस जटिल ऑपरेशन के लिए आवश्यक पशु चिकित्सा विशेषज्ञता, कैप्चर और ट्रांसपोर्ट लॉजिस्टिक्स, और जैव सुरक्षा उपाय प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, जानवरों के लिए उनके प्राकृतिक आवास को दोहराने के लिए डिजाइन की गई एक विशेष सुविधा में आजीवन देखभाल सुनिश्चित की जाएगी। इस पहल के पीछे की भावना को व्यक्त करते हुए, अनंत अंबानी ने कहा, इन अस्सी दरियाई घोड़ों ने यह नहीं चुना कि वे कहाँ पैदा हों, और न ही उन्होंने उन परिस्थितियों को पैदा किया जिनका वे अब सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, ष्ये जीवित, संवेदनशील प्राणी हैं, और यदि हमारे पास उन्हें एक सुरक्षित और मानवीय समाधान के माध्यम से बचाने की क्षमता है, तो कोशिश करना हमारी जिम्मेदारी है।

इस प्रस्ताव में कोलंबिया से अनुरोध किया गया है कि जब तक अधिकारी पुनर्वास योजना की समीक्षा करते हैं, तब तक हत्या (बनससपदह) को टाल दिया जाए। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि किसी भी तरह के स्थानांतरण के लिए कोलंबियाई और भारतीय सरकारों के साथ–साथ प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय निकायों से अनुमोदन की आवश्यकता होगी। अनुमान है कि मैग्डेलेना बेसिन में लगभग 200 दरियाई घोड़े हैं, जिनकी अनियंत्रित वृद्धि ने गंभीर पर्यावरणीय और सुरक्षा चिंताएं बढ़ा दी हैं। श्वनताराश ने कहा है कि वह एक विस्तृत परिचालन योजना विकसित करने के लिए कोलंबियाई अधिकारियों के साथ जुड़ने के लिए तैयार है, जो विज्ञान–आधारित संरक्षण समाधानों को बड़े पैमाने पर तैनात करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

अनिल अंबानी समूह पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, 3034 करोड़ की संपत्ति जब्तय कुल आंकड़ा 19 हजार करोड़ के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (म्व) ने अनिल अंबानी के रिलायंस समूह से जुड़े मामलों की जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 3,034 करोड़ रुपये की नई संपत्तियां जब्त की हैं। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक चल रहे मामले के तहत की गई है। सूत्रों के अनुसार, यह संपत्तियां रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड से संबंधित हैं। इनमें मुंबई में एक फ्लैट, महाराष्ट्र के खंडाला स्थित एक फार्महाउस, अहमदाबाद के साणंद क्षेत्र में जमीन के टुकड़े और R-Infra के करीब 7.71 करोड़ शेयर शामिल हैं। ईडी ने यह कदम प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत उठाया है और इन संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच करने का आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई जांच एजेंसी की चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच का हिस्सा है। सूत्रों के मुताबिक, अनिल अंबानी समूह से जुड़े मामलों में अब तक अटैच की गई कुल संपत्तियों का मूल्य बढ़कर लगभग 19,344 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। ईडी इस पूरे मामले में बैंक धोखाधड़ी और फंड के कथित दुरुपयोग की जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कंपनियों के धन का उपयोग किन–किन तरीकों से किया गया और क्या इसमें नियमों का उल्लंघन हुआ है।

पश्चिम एशिया तनाव से एशियाई बाजारों में भारी गिरावट

नई दिल्ली,एजेंसी। ईरान युद्ध को समाप्त करने की कूटनीतिक वार्ताओं में आई रुकावट का सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय बाजारों पर दिखने लगा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने से कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर से तेज उछाल आया है, जिसके कारण मंगलवार को प्रमुख एशियाई शेयर बाजारों में सुस्ती और गिरावट का रुख देखने को मिला। यह स्थिति उन देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है जो ऊर्जा के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर हैं। युद्ध विराम की अस्थिर स्थिति के बावजूद, होर्मुज जलडमरूमध्य प्रभावी रूप से बंद है, जो एशिया (विशेषकर जापान) में तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है। आपूर्ति बाधित होने की इन चिंताओं ने ऊर्जा बाजार को फिर से गरमा दिया है। आंकड़ों के अनुसार, जून डिलीवरी वाले ब्रेंट क्रूड का भाव 1.11 डॉलर बढ़कर 109.34 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इसी तरह जुलाई अनुबंध वाला ब्रेंट क्रूड भी 1.08 डॉलर की बढ़त के साथ 102.77 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। गौर करने वाली बात यह है कि युद्ध शुरू होने से पहले ब्रेंट क्रूड लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जो संघर्ष के दौरान 120 डॉलर तक भी जा चुका है।

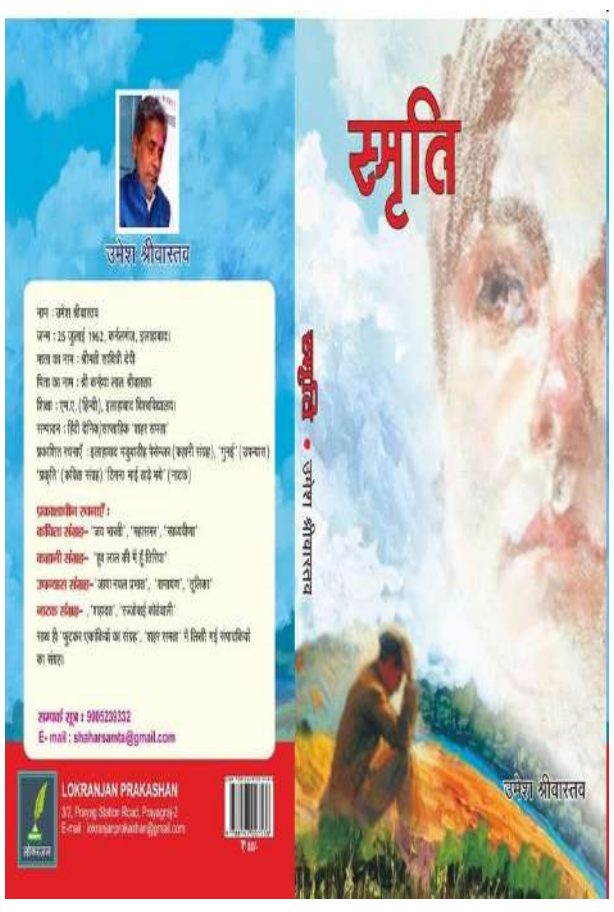

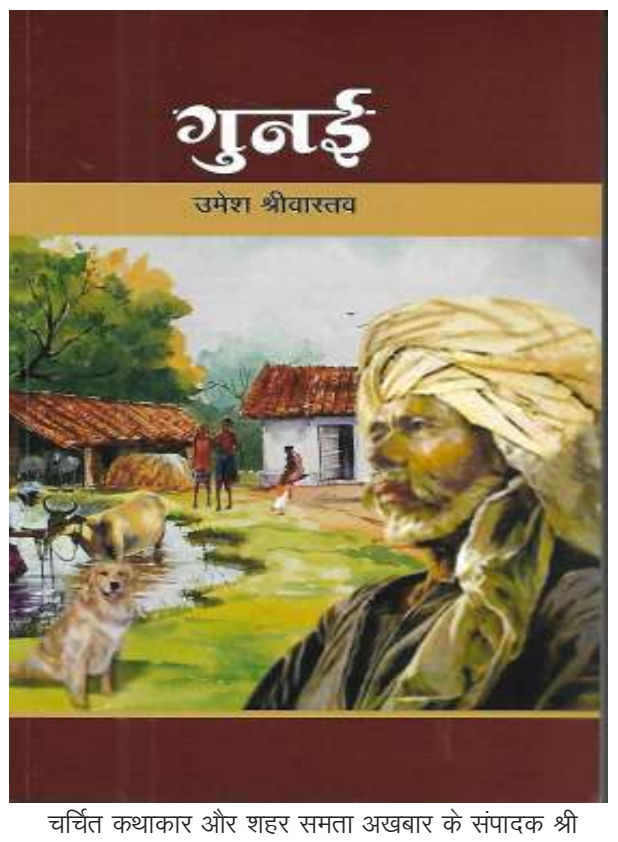

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

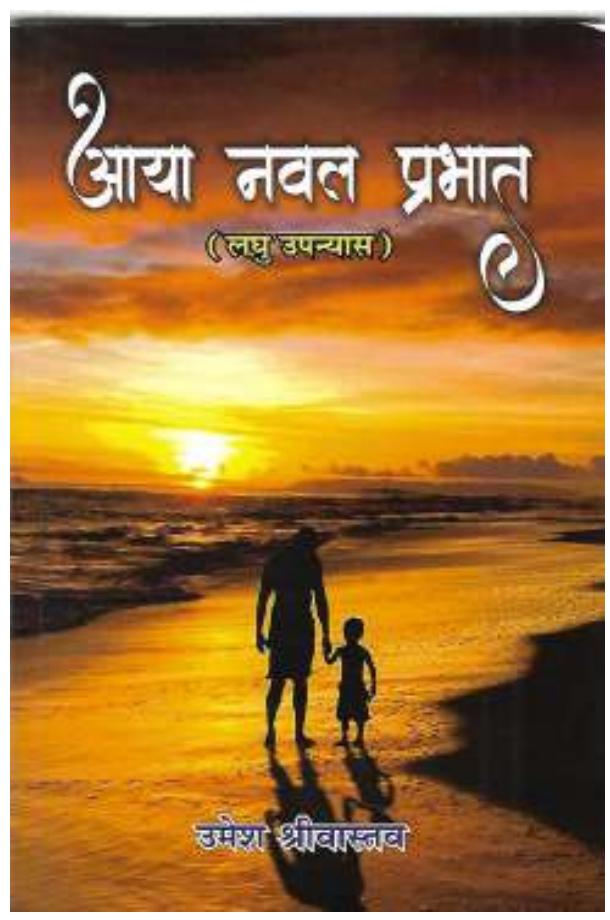

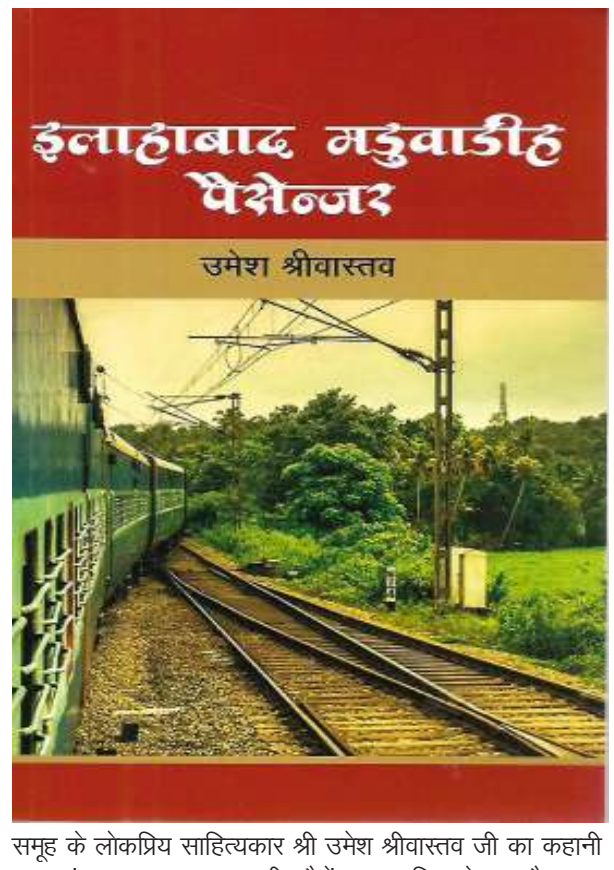

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

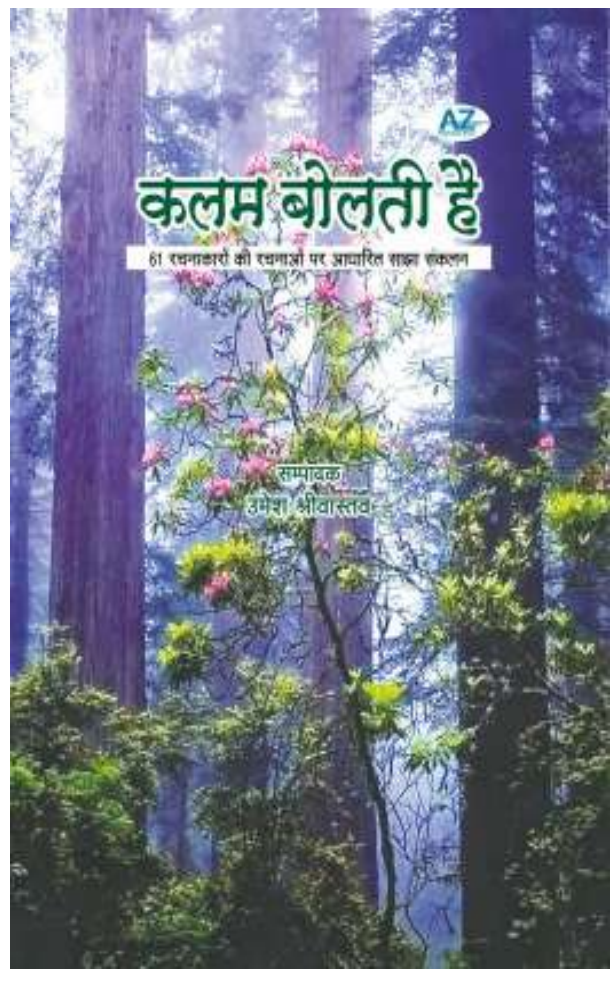

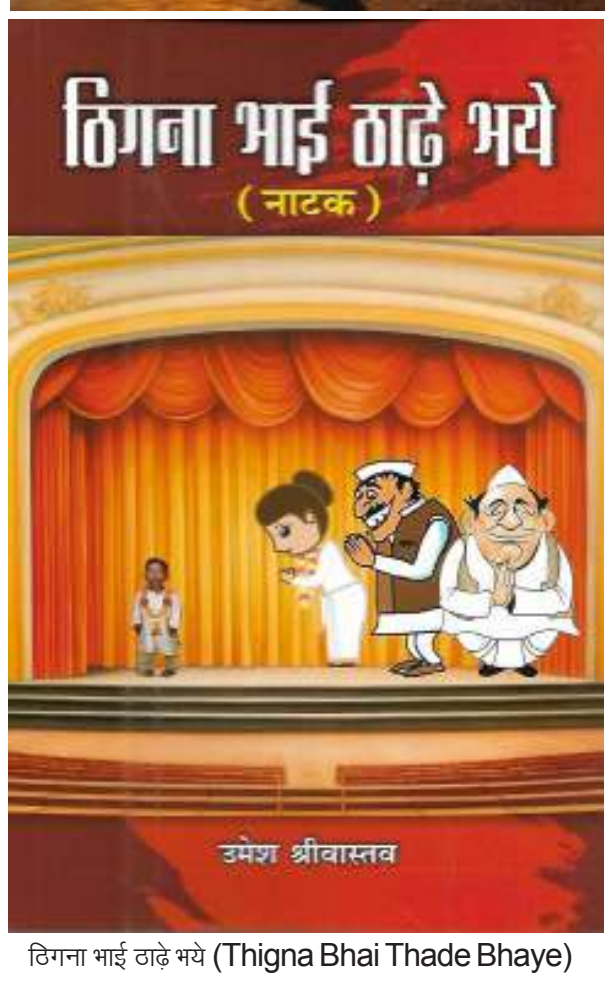

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका दौरे पर किंग चार्ल्स- III: आज यूएस कांग्रेस को करेंगे संबोधित, राष्ट्रपति ट्रंप से भी होगी मुलाकात

वॉशिंगटन, एजेंसी। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय आज अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में ऐतिहासिक दौरे के तहत अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करेंगे। वह अपनी मां रानी

एलिजाबेथ द्वितीय के बाद अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करने वाले पहले ब्रिटिश किंग बनेंगे। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने 1991 में कांग्रेस को संबोधित किया था। चार्ल्स III की यह यात्रा केवल औपचारिक नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे ऐसे समय में अमेरिका और ब्रिटेन के रिश्तों को मजबूती देने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जब दोनों देशों के बीच राजनीतिक मतभेद और आर्थिक तनाव भी सामने आए हैं। व्हाइट हाउस में ट्रंप से करेंगे मुलाकात किंग चार्ल्स अपनी पत्नी क्यून कैमिला के साथ दिन की शुरुआत द व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के साथ करेंगे। व्हाइट हाउस में दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों, वैश्विक हालात और रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा हो सकती है। शाम को राष्ट्रपति ट्रंप किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला के सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन करेंगे। ट्रंप पहले भी ब्रिटिश शाही परिवार के प्रति सकारात्मक रुख दिखाते रहे हैं। ऐसे में इस मुलाकात को कूटनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है।

कांग्रेस में ऐतिहासिक संबोधन किंग चार्ल्स का अमेरिकी कांग्रेस में भाषण इस दौरे का सबसे बड़ा आकर्षण माना जा रहा है। अमेरिकी कांग्रेस में संबोधन का मौका केवल चुनिंदा वैश्विक नेताओं को मिलता है। इससे पहले पोप फ्रांसिस, वाक्लाव हावेल और विंस्टन चर्चिल जैसे नेताओं को यह सम्मान मिला है। उम्मीद है कि चार्ल्स अपने भाषण में दोनों देशों के साझा इतिहास, लोकतांत्रिक मूल्यों, स्वतंत्रता, सुरक्षा साझेदारी और वैश्विक चुनौतियों पर जोर देंगे। अमेरिका–ब्रिटेन रिश्तों में तनाव भी हालांकि औपचारिक संबंध मजबूत हैं, लेकिन हाल के महीनों में कुछ मुद्दों पर तनाव भी सामने आया है। राष्ट्रपति ट्रंप और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के बीच रिश्तों में खटास की खबरें रही हैं। ईरान युद्ध को लेकर अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की ट्रंप की कोशिशों को स्टार्मर ने पूरी तरह समर्थन नहीं दिया। इसके बाद ट्रंप ने स्टार्मर पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि यह विंस्टन चर्चिल जैसा नेतृत्व नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्रिटेन पर टैरिफ लगाए हैं और आगे अतिरिक्त शुल्क लगाने की चेतावनी भी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर ब्रिटेन अमेरिकी टेक कंपनियों पर लगाया गया डिजिटल सर्विस टैक्स नहीं हटाता, तो बड़ा टैरिफ लगाया जा सकता है। इससे दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों पर दबाव बना है। ट्रंप प्रशासन ने पारंपरिक ट्रांस–अटलांटिक गठबंधन को लेकर भी कई कड़े बयान दिए हैं। छ।ज् से दूरी बनाने की चेतावनी, ग्रीनलैंड को लेकर बयान और कनाडा पर टैरिफ जैसे कदमों ने यूरोपीय सहयोगियों को चिंतित किया है। ब्रिटेन भी इस बदलते समीकरण पर नजर बनाए हुए है। अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने किंग चार्ल्स से कुछ विवादित मुद्दों पर बोलने की अपील की है। वहीं डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीज ने कहा कि राजा की यात्रा अमेरिका–ब्रिटेन रिश्तों को सुधारने में मदद कर सकती है। चार दिन के अमेरिकी दौरे के दौरान किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला न्यूयॉर्क शहर और वर्जीनिया भी जाएंगे। वहां कई सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राजनयिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

पश्चिम एशिया संघर्ष: ईरान होर्मुज खोलने को तैयार, अमेरिका से नाकेबंदी हटाने की मांगय, ट्रंप ने प्रस्ताव ठुकराया

वॉशिंगटन, एजेंसी/अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच एक बार फिर शांति की कोशिशों को बड़ा झटका लग सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान की उस नई शांति योजना को स्वीकार करने के पक्ष में नहीं हैं, जिसे संघर्ष खत्म करने की दिशा में एक कूटनीतिक पहल माना जा रहा था। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में संकेत दिया कि वह इस प्रस्ताव से सहमत नहीं हैं। यह बैठक व्हाइट हाउस में सोमवार को हुई, जिसमें ईरान के हालिया प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। ईरान का प्रस्ताव क्या है? ईरान की ओर से पेश की गई योजना में होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए समुद्री यातायात बहाल करने की बात कही गई है। हालांकि, इसके साथ ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे संवेदनशील मुद्दों को भविष्य की बातचीत के लिए टालने का सुझाव दिया गया है। यही बात अमेरिकी प्रशासन के लिए चिंता का कारण बन रही है। अधिकारियों का मानना है कि अगर समुद्री मार्ग खोल दिया जाता है लेकिन ईरान के यूरेनियम संवर्धन जैसे मुद्दों पर कोई ठोस कदम नहीं उठता, तो अमेरिका का कूटनीतिक दबाव कमजोर हो सकता है। परमाणु कार्यक्रम बना सबसे बड़ा विवाद, ट्रंप ने लगातार दूसरी बार प्रस्ताव ठुकराया ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार गहराता जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सिर्फ दो दिन के भीतर दूसरी बार ईरान की शांति से जुड़ी पेशकश को खारिज कर दिया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

इमरान खान की आंखों की रोशनी पर खतरा ? चौथी बार हुई सर्जरी, जानें अब कैसी है हालत ?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई संस्थापक इमरान खान की पाकिस्तान आयुर्विज्ञान संस्थान (पिम्स) में एक बार फिर आंखों की सर्जरी की गई है। अस्पताल के प्रवक्ता के अनुसार, उन्हें चौथा इंट्राविट्रियल एंटी–वीईजीएफ इंजेक्शन दिया गया। इसके बाद उनको मंगलवार सुबह पिम्स अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। इमरान खान पिछले कुछ समय से आंख की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। कैसे हैं इमरान खान? अस्पताल के प्रवक्ता ने बताया कि 74 वर्षीय इमरान खान को 28 अप्रैल को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था। डॉक्टर ने जांच के बाद उनकी हालत को स्थिर बताया और फिर ऑपरेशन थिएटर में जरूरी प्रक्रियाओं के बाद उन्हें चौथा इंजेक्शन दिया गया। इमरान खान की दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्युप्यूजन यानी सीआरवीओ नाम की बीमारी है, जिसका पता इस साल जनवरी के अंत में चला था। इससे पहले इमरान खान को 24 जनवरी को पहला इंजेक्शन लगाया गया था। इसके बाद 24 फरवरी को उन्हें दूसरी खुराक दी गई और 23 मार्च को तीसरा इंजेक्शन लगाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उनके ताजा टेस्ट में सुधार देखा गया है। यह प्रक्रिया एक डे केयर सर्जरी की तरह थी जिसके बाद उन्हें जरूरी सुझावों के साथ अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पीटीआई के अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान ने सोशल मीडिया पर इमरान खान के अस्पताल जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इमरान खान को रात में इंजेक्शन और मेडिकल चेकअप के लिए पिम्स ले जाया गया था। हालांकि उन्होंने सरकार के रवैये पर सवाल भी उठाए हैं। बैरिस्टर गोहर अली खान ने कहा, श्इलाज जो भी हो लेकिन हमारी चिंताएं अभी भी बनी हुई हैं। इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को किसी ऐसे अस्पताल में शिफ्ट किया जाना चाहिए जहां उनके निजी डॉक्टरों और परिवार की देखरेख में इलाज हो सके। यह उनका मौलिक अधिकार है और हम लंबे समय से इसकी मांग कर रहे हैं। विपक्ष लगातार मांग कर रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री को इलाज के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में शिफ्ट किया जाए। पीटीआई का आरोप है कि सरकार इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर पारदर्शिता नहीं बरत रही है और उनके निजी डॉक्टरों को उन तक पहुंचने नहीं दिया जा रहा है। सरकार ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी इस समय रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। जेल अधिकारियों के अनुसार 17 अप्रैल को बुशरा बीबी की भी रावलपिंडी के एक अस्पताल में आंख की सर्जरी हुई थी। फिलहाल दोनों की सेहत पर डॉक्टरों की टीम नजर बनाए हुए है।

पेंटागन का बड़ा कबूलनामा: चीन–रूस की मिसाइलों के सामने अमेरिकी रक्षा सिस्टम बेदम, गोल्डन डोम बनेगा गेम चेंजर ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक अहम खुलासा सामने आया है। शीर्ष पेंटागन अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि मौजूदा अमेरिकी रक्षा प्रणाली केवल छोटे स्तर के हमलों को ही रोक सकती है और हाइपरसोनिक या क्रूज मिसाइल जैसे आधुनिक खतरों के खिलाफ लगभग बेअसर है। अमेरिकी रक्षा और सैन्य अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2027 के बजट पर चर्चा के दौरान सीनेट में यह बात रखी। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन, रूस, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देश तेजी से ऐसे हथियार विकसित कर रहे हैं, जो पारंपरिक रक्षा प्रणाली को आसानी से चकमा दे सकते हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मार्क जे बर्कविट्ज ने साफ कहा कि मौजूदा सिस्टम को इस तरह के आधुनिक खतरों के लिए डिजाइन ही नहीं किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि खासतौर पर चीन तेजी से हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक विकसित कर रहा है, जो पारंपरिक इंटरसेप्टर सिस्टम से बच निकलती हैं। इससे अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा गैप सामने आया है। अमेरिकी स्पेस फोर्स के जनरल माइकल ए गुएटलीन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है और अमेरिका की सुरक्षा पहले जैसी मजबूत नहीं रही।

इस महंगे गोल्डन डोम प्रोजेक्ट को लेकर अमेरिका में राजनीतिक विवाद भी तेज हो गया है। सीनेटर एंगस किंग ने सवाल उठाया कि इतने बड़े खर्च वाले कार्यक्रम में कांग्रेस की निगरानी को सीमित क्यों किया जा रहा है, जबकि यह राष्ट्रीय बजट पर बड़ा असर डाल सकता है। वहीं, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य तेजी से बदल चुका है और अब केवल डिटरेंस यानी डर के सहारे सुरक्षा संभव नहीं रह गई है। उनका तर्क है कि आज कई परमाणु ताकतें सक्रिय हैं, मिसाइल तकनीक पहले से कहीं ज्यादा उन्नत हो चुकी है और साइबर व इलेक्ट्रॉनिक युद्ध जैसे नए खतरे भी सामने आ चुके हैं। ऐसे में अमेरिका अब श्डिटरेंस एक्टिव डिफेंसश की संयुक्त रणनीति पर काम कर रहा है, जिसमें हमलों को रोकने के साथ–साथ सक्रिय रूप से उन्हें निष्क्रिय करने की क्षमता भी विकसित की जा रही है। इसके बावजूद अमेरिका फिलहाल अपने मौजूदा रक्षा ढांचे पर ही काफी हद तक निर्भर है, जिसमें एजिस सिस्टम से लैस नौसैनिक जहाज, थाड और पैट्रियट मिसाइल सिस्टम जैसे प्लेटफॉर्म शामिल हैं। ये सभी मिलकर एक बहु–स्तरीय रक्षा प्रणाली बनाते हैं, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि भविष्य के जटिल और हाई–टेक खतरों के सामने ये व्यवस्था पर्याप्त साबित नहीं हो सकती।

क्या हिंदू होने की वजह से बचे काश पटेल ?: हमलावर की हिटलिस्ट में ट्रंप की पूरी टीम, FBI चीफ का नहीं था नाम!

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम पर पिछले दिनों हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। अब इस मामले में एक ऐसा खुलासा हुआ है जिसने सुरक्षा एजेंसियों को चकित कर दिया है। हमलावर कोल एलन के पास से बरामद घोषणापत्र की जांच में सामने आया है कि डोनाल्ड ट्रंप की पूरी टीम उसके निशाने पर थी। लेकिन उसने केवल एक नाम को जानबूझकर छोड़ दिया था। वो हैं एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल। अमेरिकी जांच एजेंसियां अब इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी हैं। वे जानना चाहते हैं कि आखिर काश पटेल को सूची से बाहर क्यों रखा गया। जांचकर्ता दो प्रमुख सिद्धांतों पर काम कर रहे हैं। पहला और सबसे चर्चित कारण उनकी धार्मिक पहचान मानी जा रही है। द न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, हमलावर कोल एलन के विचारों में स्पष्ट रूप से ईसाई–विरोधी नफरत भरी थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि हिंदू होने की वजह से काश पटेल हमलावर के निशाने पर फिट नहीं बैठे। हमलावर ने अपनी हिंसा को सही ठहराने के लिए जिन नैतिक और धार्मिक तर्कों का सहारा लिया, उसमें हिंदू धर्म के प्रति उसका कोई विरोध नहीं दिखा। बताया जा रहा है कि शूटर ने हमले के लिए कुछ कड़े नियम बनाए थे। इनमें से एक नियम था श्लॉ एन्फोर्समेंटश यानी कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सीधा नुकसान न पहुंचाना। काश पटेल एफबीआई के शीर्ष पद पर हैं। इसलिए उन्हें इस श्रेणी में रखा गया होगा। हालांकि, यह थ्योरी पूरी तरह सटीक नहीं बैठती। हमले के दौरान एक सुरक्षा अधिकारी को गोली लगी थी। उसकी जान केवल बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से बची। मामले में एक के बाद एक बड़े खुलासेकोल एलन ने इस हमले के लिए अधिकारियों की एक बाकायदा रैंकिंग वाली लिस्ट तैयार की थी। उसने अपने मैनीफेस्टो में लिखा था, प्रशासन के अधिकारी मेरे लक्ष्य हैं।श चौंकाने वाली बात यह है कि हमलावर ने घटना को अंजाम देने से ठीक 10 मिनट पहले यह दस्तावेज अपने परिवार को भेजा था। 25 अप्रैल का खौफनाक घटनाक्रम यह हमला 25 अप्रैल को वाशिंगटन के हिल्टन होटल में हुआ था। कोल एलन कई घातक हथियारों के साथ सुरक्षा घेरा तोड़कर मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने की फिराक में था। हालांकि, सीक्रेट सर्विस की मुस्तैदी से उसे पहले ही रोक लिया गया। इस दौरान हुई गोलीबारी में अफरा–तफरी मच गई। डोनाल्ड ट्रंप और वहां मौजूद अन्य वीवीआईपी अधिकारियों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया। वर्तमान में कोल एलन पर हत्या के प्रयास और अवैध हथियारों से जुड़ी संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

अमेरिका में हिंदू मंदिरों को खतरों से बचाने की तैयारी, कांग्रेस ने पेश किया बड़ा बिल, कैसे होगी सुरक्षा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों पर हो रहे लगातार हमलों के बीच अमेरिकी कांग्रेस में एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य हिंदू मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों को उत्पीड़न से बचाना है। लॉमेकर्स का कहना है कि अलग–अलग धर्मों के लोगों के लिए खतरे बढ़ रहे हैं। इस प्रस्ताव का नाम श्सेफगार्डिंग एक्सेस टू कांग्रेगेशन्स एंड रिलीजियस एस्टैब्लिशमेंट्स फ्रॉम डिसरप्शनश (सेक्रेड एक्ट) है। इसके तहत किसी भी पूजा स्थल के 100 फीट के दायरे में लोगों को डराना, रास्ता रोकना या परेशान करना संघीय अपराध ा माना जाएगा। इस प्रस्ताव को टॉम सुओजी ने पेश किया था और मैक्स मिलर ने इसमें उनका साथ दिया। सुओजी ने कहा कि किसी को भी परेशान होने या डराए–धमकाए जाने का हकदार नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब वे अपने पूजा स्थल की ओर जा रहे हों। वहीं, मिलर ने कहा कि हर अमेरिकी को बिना किसी डर, धमकी या उत्पीड़न के अपने धर्म का पालन करने का हक है। बता दें अमेरिकी कांग्रेस का यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब धार्मिक स्थलों के आसपास हमलों और डराने–धमकाने की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है। समर्थकों का कहना है कि हिंदू मंदिर, यहूदी प्रार्थना स्थल, मस्जिद और चर्च– सभी इस तरह की घटनाओं का सामना कर रहे हैं। श्हिंदू अमेरिकन फाउंडेशनश ने कहा कि पूरे अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने और उन्हें अपवित्र करने की घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है, जिससे श्रद्धालुओं में असुरक्षा की भावना पैदा हुई है। इस कानून में क्या–क्या होगा? ऐसे में इस कानून के तहत अगर कोई पहली बार दोषी पाया जाता है, तो उसे जुर्माना या एक साल तक की जेल हो सकती है। अगर वही व्यक्ति दोबारा ऐसा करता है, तो सजा और सख्त हो सकती है, जिसमें तीन साल तक की जेल भी शामिल है। यह बिल पीड़ितों को दीवानी (सिविल) मामले दर्ज करने का अधिकार भी देता है। इसके अलावा अमेरिका के अटॉर्नी जनरल समेत अधिकारी ऐसे मामलों में रोक लगाने और मुआवजा दिलाने के लिए कदम उठा सकते हैं।

बिल को मिला कई संगठनों का समर्थन गौरतलब है कि इस बिल को कई संगठनों का समर्थन मिला है, जिनमें एंटी–डेफेमेशन लीग, अमेरिकन ज्यूइश कमेटी और इस्लामिक सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका शामिल हैं। एंटी–डिफेमेशन लीग के अनुसार, यहूदियों के खिलाफ नफरत की घटनाएं बढ़ रही हैं। साल 2024 में ऐसी 9,354 घटनाएं दर्ज की गईं जिनमें 1,702 घटनाएं यहूदी संस्थानों में हुईं।

लश्कर की कमर टूटी: यूसुफ अफरीदी को अज्ञात हमलावरों ने पाकिस्तान में भूना, कौन था हाफिज सईद का यह खास गुर्गा?

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के बेहद करीबी और लश्कर–ए–तैयबा के मुख्य सदस्य शेख यूसुफ अफरीदी की अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी है। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, अफरीदी को पाकिस्तान के खैबर जिले के लांडी कोटल इलाके में निशाना बनाया गया। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने पाकिस्तानी पुलिस के हवाले से बताया कि यह हमला रविवार को हुआ। अज्ञात हमलावरों ने यूसुफ अफरीदी पर घात लगाकर हमला किया। हमलावरों ने अफरीदी पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। इस हमले में अफरीदी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर वहां से सुरक्षित भागने में सफल रहे। फिलहाल किसी भी आतंकी संगठन या समूह ने इस हत्याकांड की जिम्मेदारी नहीं ली है। कौन था यूसुफ अफरीदी और क्या था उसका काम? यूसुफ अफरीदी लश्कर के क्षेत्रीय ढांचे की रीढ़ माना जाता था। जानकारी के मुताबिक, अफरीदी के पास संगठन की दो सबसे बड़ी जिम्मेदारियां थीं। वह खैबर पख्तूनख्वा और कबीलाई इलाकों के युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें लश्कर में भर्ती कराता था। वहीं, सीमावर्ती इलाकों में हथियारों की आवाजाही और आतंकी गतिविधियों के लिए सुरक्षित ठिकाने मुहैया कराने में उसकी विशेषज्ञता थी। यह भी जानकारी सामने आई है कि वह अहल–ए–हदीस यानी सल्फी विचारधारा का बड़ा नाम था। वह अपने भाषणों के जरिए आतंक को मजहबी जामा पहनाने का काम करता था, ताकि लश्कर को वैचारिक मजबूती मिल सके। हाफिज सईद को एक के बाद एक कई झटके

मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के लिए यह खबर किसी बड़े सदमे से कम नहीं है। पिछले कुछ महीनों में लश्कर के शीर्ष नेतृत्व को व्यवस्थित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। महज एक हफ्ते पहले लश्कर के दूसरे सबसे बड़े नेता और संस्थापक सदस्य आमिर हमजा पर लाहौर में जानलेवा हमला हुआ। यूसुफ अफरीदी की मौत से लश्कर का वह नेटवर्क ध्वस्त हो गया है जो कबीलाई इलाकों से आतंकियों की नई फौज तैयार करता था। जेल में बेबस हाफिज 2019 से कोट लखपत जेल में बंद हाफिज सईद अब बाहर अपने सबसे भरोसेमंद करीबियों को एक–एक कर गिरते हुए देख रहा है। उसके संगठन का कमांड एंड कंट्रोल पूरी तरह चरमरा गया है। पीटीआई के मुताबिक, जमात–उद–दावा ने दावा किया है कि इस हत्या के पीछे तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान– टीटीपी जैसे समूहों का हाथ हो सकता है। जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान में अब आतंकी गुटों के बीच वर्चस्व की जंग शुरू हो गई है। सल्फी विद्वानों और कट्टरपंथी गुटों के बीच बढ़ते वैचारिक मतभेद अब सड़कों पर खून–खराबे के रूप में सामने आ रहे हैं।

ट्रंप के जीत वाले दावे पर ईरान ने लेगो स्टाइल में लिए मजे, सोशल मीडिया पर छिड़ा मीम युद्ध!

एजेंसी/पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब एक नया मोर्चा खुल गया है। यह मोर्चा किसी सीमा पर नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर सक्रिय है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही सैन्य तल्खी अब मीम युद्ध में बदल गई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।